mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-28 अंक-358 | पृष्ठ-8 | मूल्य-3 रूपये

रीवा

29 दिसंबर 2024 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

ऋषभ पंत की .. @ पेज 7

मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर खींचतान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को शनिवार को सुपुर्द-ए-खाक किए जाने से कुछ घंटे पहले उनके स्मारक को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। सियासी

● विपक्ष पर बरसी भाजपा, 'गंदी राजनीति बंद करें'

बयानबाजी में कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया जिसके बाद भाजपा ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया है और कहा कि कम से कम मनमोहन सिंह के नाम पर गंदी राजनीति का खेल ना खेलें। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उसी स्थान पर मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने की संभावना तलाशने के बारे में बात की थी, जहां उनका आज अंतिम संस्कार होगा।

कांग्रेस प्रमुख खरगे ने कहा, ÷यह राजनेताओं और पूर्व प्रधानमंत्रियों के अंतिम संस्कार के स्थान पर उनके स्मारक बनाने की परंपरा को ध्यान में रखते हुए है।÷ इसे लेकर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में, केंद्र सरकार ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि डॉक्टर मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित की जाएगी, साथ ही उन्होंने कहा कि इस बीच दाह संस्कार और अन्य औपचारिकताएं आगे बढ़ सकती हैं।

कांग्रेस ने लगाया आरोप, भाजपा ने दिया जवाब: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने भी भाजपा पर तुरंत हमला बोलते हुए कहा कि लोग यह समझने में असमर्थ हैं कि केंद्र स्मारक के लिए स्थान क्यों नहीं ढूंढ सका, उन्होंने इसे भारत के पहले सिख प्रधान मंत्री का अपमान बताया। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जगह आवंटित करने के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राजेश ठाकुर ने कहा, यह बहुत दुखद है और इस विषय पर कोई राजनीति नहीं की जानी चाहिए। यह निंदनीय है कि देश की सेवा करने वाले प्रधानमंत्री को एक छोटी सी जगह आवंटित नहीं की जा रही है। कांग्रेस सांसद और पार्टी के पंजाब प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा, हम मांग कर रहे हैं कि सरकार स्मारक के लिए जगह मुहैया कराए। अगर अटल बिहारी वाजपेयी को जगह दी जा सकती है, तो मनमोहन सिंह को क्यों नहीं? वह देश के एकमात्र सिख प्रधानमंत्री थे। जब स्मारक बनेगा, तो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलेगी। कांग्रेस नेताओं के आरोप पर बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस को डॉक्टर सिंह की मौत पर गंदी राजनीति बंद करनी चाहिए। पार्टी के एक बयान में कहा गया है, कांग्रेस को याद करना चाहिए कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव जी की मृत्यु के बाद उनके साथ कैसा व्यवहार किया था।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में अब नाबालिग भी दे सकेंगे वोट

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस की ओर से नाबालिगों को भी वोट देने का अधिकार देने की सिफारिश की गई है। अगर इस प्रस्ताव को मान लिया गया तो बांग्लादेश में नाबालिग यानि 18 साल से कम उम्र के लोग भी वोट देने के लिए पात्र होंगे।

हालांकि बांग्लादेश की नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की इस सिफारिश की शनिवार को आलोचना की कि मतदान की न्यूनतम आयु घटाकर 17 साल की जानी चाहिए। बीएनपी ने कहा कि इससे निर्वाचन आयोग पर दबाव पड़ेगा और चुनाव प्रक्रिया में देरी हो सकती है। 'द ढाका ट्रिब्यून' की खबर के मुताबिक, अगस्त में शेख हसीना नीत सरकार के पतन के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख नियुक्त किए जाने वाले यूनुस (84) ने शुक्रवार को मतदान की न्यूनतम आयु घटाकर 17 साल किए जाने की सिफारिश की थी। एक चुनाव संवाद में प्रसारित वीडियो मैसेज में यूनुस ने कहा था, ÷मुझे लगता है कि (युवा) अपने भविष्य के बारे में राय दे सकें, इसके लिए मतदान की न्यूनतम उम्र घटाकर 17 साल तय की जानी चाहिए।÷

मॉरीशस ने भी झुका दिया डॉ. मनमोहन सिंह के सम्मान में अपना आधा ध्वज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉरीशस ने भी भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर उनके सम्मान में अपने देश का आधा ध्वज झुका दिया है। मॉरीशस ने घोषणा की है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सम्मान में शनिवार को सूर्यास्त तक सभी सरकारी कार्यालयों और संस्थानों में उसका राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम के कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में निजी क्षेत्र से भी झंडे को आधा झुका कर फहराने का आग्रह किया। बता दें कि मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफुल ने दिल्ली आकर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन को श्रद्धांजलि अर्पित की। मॉरीशस के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा, ''भारत गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के निधन के बाद, जनता को सूचित किया जाता है कि उनके अंतिम संस्कार के दिन, आज शनिवार को सूर्यास्त तक सभी सरकारी भवनों पर मॉरीशस का ध्वज आधा झुका रहेगा।'' विज्ञप्ति में कहा गया है, ''निजी क्षेत्र से भी अपील की जाती है कि सभी ध्वज आधे झुके रहें।'' भारत में आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार को निधन हो गया था। वह 92 साल के थे। सिंह ने देश के वित्त मंत्री के तौर पर भी काम किया था।

शहीद जवानों के परिवारों अनुग्रह राशि एक करोड़ किया गया

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने सेना और सीआरपीएफ के शहीद जवानों के परिवारों को बड़ी राहत देते हुए बड़ा ऐलान किया है। सेना और सीआरपीएफ के शहीदों के परिवारों के लिए अनुग्रह राशि को 50 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ करने का फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि पहले भी कई बार शहीद जवानों के परिजनों के लिए अनुग्रह राशि को बढ़ाए जाने की मांग उठी थी। ऐसे में सरकार द्वारा अनुग्रह राशि को बढ़ाए जाने की घोषणा एक बड़ा फैसला है, जिससे शहीदों के परिजनों को आर्थिक रूप से काफी राहत मिलेगी। बता दें कि अनुग्रह राशि, वह राशि होती है जिसे सरकार किसी व्यक्ति विशेष या उसके परिवार को हुए नुकसान या हानि की भरपाई के लिए भुगतान करती है। यह भुगतान लोगों को उनकी ओर से किसी दायित्व या ऋण की अपेक्षा किए बिना दिया जाता है। इसका लाभ मृतक के परिजनों को मिलता है और वह आर्थिक रूप से अपने क्रियाकलापों को पूरा करने में सक्षम हो पाते हैं।

अंतिम संस्कार में राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम मोदी भी रहे मौजूद

पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्?कार पूरे राजकीय सम्?मान के साथ कर दिया गया है, वह पंचतत्व में विलीन हो गए हैं. अब वह, हर हिंदुस्?तानी की यादों में रहेंगे. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम नरेंद्र मोदी समेत कांग्रेस के सभी वरिष्?ठ नेता भी मौजूद रहे. मनमोहन सिंह के पार्थिव शरीर को आज सुबह साढ़े आठ बजे के लगभग कांग्रेस मुख्?यालय में अंतिम दर्शन के लिए लाया गया, जहां कांग्रेस अध्?यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्?हें श्रद्धांजलि दी.

मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा कांग्रेस मुख्?यालय 24 अकबर रोड से निगमबोध घाट के लिए निकली. पार्थिव शरीर के साथ मुख्?य वाहन में राहुल गांधी भी बैठे नजर आए. कांग्रेस मुख्यालय से निगमबोध घाट तक उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई, तो इस

दौरान कांग्रेस के कार्यकर्ता 'जब तक सूरज चांद रहेगा, मनमोहन आपका नाम रहेगा' और 'मनमोहन सिंह अमर रहें' नारे लगाते रहे। अंतिम यात्रा से पहले सिंह का पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय '24 अकबर रोड' में रखा गया था, जहां कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. पूर्व प्रधानमंत्री का पार्थिव शरीर उनके आवास से सुबह करीब नौ बजे कांग्रेस मुख्यालय लाया गया, जहां पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उनके अंतिम दर्शन के लिए पहले से ही इंतजार कर रहे थे.

डॉ. मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर रखे जाने के बाद सोनिया गांधी, खरगे, राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा तथा पार्टी के कई अन्य नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी. डॉ. सिंह की पत्नी गुरशरण कौर और उनके परिवार के कुछ अन्य सदस्य भी कांग्रेस मुख्यालय में मौजूद थे. गुरशरण कौर ने भी पुष्प अर्पित करके अपने पति को अंतिम विदाई दी।

यूएन ने डॉ. मनमोहन के निधन पर जताया दुख, भूटान में शोक

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र~ संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटरेस ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सिंह के परिवार, सरकार और भारत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। गुटरेस ने भारत और संयुक्त राष्ट्र में पूर्व प्रधानमंत्री के योगदान का उल्लेख किया। संरा महासचिव के प्रवक्ता

स्टीफन दुजारिक द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''भारत के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन की खबर सुनकर महासचिव दुखी हैं। सिंह ने भारत के हालिया इतिहास में, विशेष रूप से इसकी आर्थिक राह को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' बयान में कहा गया, ''वर्ष 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में सिंह ने भारत में महत्वपूर्ण आर्थिक प्रगति और विकास के लिए कार्य किया।

राजस्थान सरकार ने 9 जिलों को किया खत्म, कैबिनेट में फैसला

गहलोत सरकार में 17 नए जिले और 3 नए संभागों की घोषणा हुई थी।

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान से एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है। यहां 9 जिलों को खत्म कर दिया गया है। कैबिनेट की बैठक में ये फैसला लिया गया है। गौरतलब है कि गहलोत सरकार में 17 नए जिले और 3 नए संभागों की घोषणा हुई थी। आचार संहिता से पहले नए जिलों और संभागों को बनाने का फैसला उचित नहीं माना गया, जिसके बाद जिलों को रद्द किया गया। भजनलाल सरकार ने नए जिलों में कुछ जिलों को व्यावहारिक नहीं माना और अतिरिक्त भार को राज्य के हित में नहीं माना। यानी 17 नए जिलों में केवल 8 जिले यथावत रहेंगे और 9 जिलों को खत्म किया गया है। अब राजस्थान में कुल 41 जिले होंगे और 7 संभाग होंगे।

ये जिले हुए निरस्तः दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़, सांचौर जबकि बालोतरा, ब्यावर, डीग कुम्हेर, डीडवाना कुचामन, कोटपुतली बहरोड़, खेड़थल तिजारा, फलोदी और सलूंबर जिले पहले की तरह रहेंगे।

कैबिनेट बैठक में लिए गए कई बड़े फैसले : इसके अलावा बैठक में ये भी फैसला लिया गया है कि

खाद्य सुरक्षा योजना में नए लाभार्थी जोड़े जाएंगे। ष्टश्वञ्ज (कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट) एग्जाम में तीन वर्ष तक का स्कोर अब काउंट होगा। पहले एक वर्ष तक का स्कोर काउंट होता था। बता दें कि 1 जुलाई को राजस्थान सरकार ने उच्च स्तरीय विशेषज्ञ कमेटी बनाई थी, जिसे नए बने जिलों और संभागों के अस्तित्व से जुड़े जरूरी पहलुओं पर समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया था। 31 को रिपोर्ट को पेश करने की समय सीमा थी, जिसे 24 घंटे पहले 30 अगस्त को राजस्थान सरकार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी रेवेन्यू दिनेश कुमार को सौंप दिया गया था।

मनमोहन पर भिड़े अनुपम खेर और हंसल मेहता

'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' को लेकर जुबानी जंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर और हंसल मेहता के बीच फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' को लेकर जुबानी जंग हो गई। यह जुबानी जंग मेहता के एक पत्रकार के पोस्ट पर सहमति जताने के बाद शुरू हुई, जिसमें कहा गया था कि 2019 में प्रदर्शित हुई राजनीतिक ड्रामा फिल्म पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बारे में 'झूठ' से भरी हुई थी। भारत में आर्थिक सुधारों के जनक कहे जाने वाले मनमोहन सिंह का बृहस्पतिवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। खेर और मेहता के बीच यह जुबानी जंग वरिष्ठ पत्रकार वीर सांघवी की एक पोस्ट के बाद शुरू हुई। सांघवी ने शुक्रवार को फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' को 'अब तक की सबसे खराब हिंदी फिल्मों में से एक' करार दिया। यह फिल्म, सिंह के पूर्व मीडिया सलाहकार संजय बारू के संस्मरण 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' पर आधारित

थी। खेर ने फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और अभिनेता अक्षय खन्ना ने बारू की भूमिका निभाई थी। विजय गुट्टे द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सिंह के नेतृत्व के दौरान राजनीतिक घटनाओं और निर्णयों को दर्शाया गया। फिल्म में प्रधानमंत्री के रूप में उनकी चुनौतियों और उनके प्रशासन पर कांग्रेस पार्टी के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

सांघवी ने 'एक्स' पर लिखा, अगर आप मनमोहन सिंह के बारे में जो झूठ बोले गए थे, उन्हें याद करना चाहते हैं, तो आपको द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर को फिर से देखना चाहिए।

'नीतीश को उनके 4 करीबी सहयोगियों ने बंधक बनाया'

तेजस्वी के दावे से बिहार की सियासत में हड़कंप

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के एक दावे से बिहार में सियासी हड़कंप मच गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेजस्वी ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब सामान्य रूप से काम करने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश के मुट्ठी भर करीबी सहयोगियों ने उन्हें 'बंधक' बनाकर रखा है। जेडीयू चीफ की बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में अचानक वापसी से पहले तक नीतीश के उपमुख्यमंत्री के रूप में काम कर चुके तेजस्वी ने कहा कि नीतीश को बंधक बनाने वाले कुल 4 नेता हैं। तेजस्वी से पूछा गया था कि नीतीश कुमार के एक बार फिर पलटी मारने की अटकलों में कितना दम है।

'नीतीश कुमार अब अपने होश में नहीं हैं' नीतीश के वापस महागठबंधन में आने की संभावना पर तेजस्वी ने कहा, 'इन सभी

अफवाहों में कोई दम नहीं है। नीतीश कुमार अब अपने होश में नहीं हैं। वह बिहार चलाने में असमर्थ हैं।' बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने दावा किया, 'नीतीश कुमार खुद निर्णय नहीं ले रहे हैं। उन्हें उनकी पार्टी के 4 नेताओं ने बंधक बना लिया है, जिनमें से 2 दिल्ली में और बाकी यहां के हैं, जो फैसले ले रहे हैं।' इंडिया गठबंधन के घटक आरजेडी के नेता तेजस्वी ने अपनी बात की पुष्टि के लिए हाल ही में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल द्वारा लिखी गई एक चिट्ठी के जवाब का हवाला दिया।

तेजस्वी ने कहा, 'संजय झा कौन हैं?': बता दें कि केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब आंबेडकर के कथित अपमान की पृष्ठभूमि में चिट्ठी में नीतीश कुमार से बीजेपी का समर्थन करने पर 'पुनर्विचार' करने का आग्रह किया था। तेजस्वी ने कहा,'पत्र स्पष्ट रूप से बिहार के मुख्यमंत्री एवं जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नीतीश कुमार को संबोधित था, लेकिन प्रतिक्रिया संजय झा की ओर से आई। वह कौन हैं?' जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य झा ने जवाबी चिट्ठी में शाह का बचाव किया था और कोविड महामारी के दौरान दिल्ली में बिहार के प्रवासियों को मुहैया कराए गए इलाज को लेकर गुस्सा निकालते हुए केजरीवाल पर निशाना साधा था।

एक्ट्रेस की कार ने दो मजदूरों को मारी टक्कर, एक की हुई मौत

मुंबई (एजेंसी)। शहर के कांदिवली इलाके में एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक मराठी एक्ट्रेस की कार ने दो मजदूरों को टक्कर मार दी। कार की टक्कर से एक मजदूर की मौत हो गई है, जबकि एक मजदूर घायल बताया जा रहा है। वहीं कार में सवार एक्ट्रेस सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त कार को ड्राइवर चला रहा था, जबकि एक्ट्रेस पीछे बैठी हुई थीं। वहीं एयर बैग की वजह से कार में सवार दोनों लोगों की जान बच गई।

फिलहाल पुलिस ने समता नगर स्टेशन में ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

मराठी फिल्मों की एक्ट्रेस उर्मिला कोठारे की कार का एक्सीडेंट हो गया है। मिली जानकारी के मुताबिक उनकी कार ने दो मजदूरों को टक्कर मार दी। वहीं टक्कर लगने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर घायल बताया जा रहा है। पुलिस की तरफ मिली जानकारी के मुताबिक गाड़ी ड्राइवर चला रहा था। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक घटना बीते शुक्रवार की है, जब मराठी फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाली अभिनेत्री उर्मिला कोठारे अपनी शूटिंग खत्म करके वापस लौट रही थीं।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बनाये 9 नये वितरण केन्द्र

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में बिजली वितरण व्यवस्था में सुधार और निर्माण कार्यों को गति देने तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं देने के लिए 9 नए वितरण केन्द्र बनाये हैं। इन केन्द्रों के बनने से ग्रामीण क्षेत्र के हजारों उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से प्राप्त जानकारी में बताया गया है कि विदिशा वृत्त के गंजबासौदा संभाग में पथरिया, आनंदपुर तथा पठारी में नया वितरण केन्द्र बनाया गया है। मौजूदा बगरौदा, लटेरी तथा कुरवाई वितरण केन्द्र यथावत कार्यरत रहेंगे। राजगढ वृत्त के जीरापुर व ब्यावरा संभाग में दो नये वितरण केन्द्र जीरापुर-1 तथा गिंडोरहट बनाये गये हैं। यहाँ पर मौजूदा जीरापुर, सुठालिया वितरण केन्द्र यथावत कार्य करते रहेंगे। वहीं बैतूल वृत्त के अंतर्गत भौरा तथा चूनाहजूरी नए वितरण केन्द्र बनाए गए हैं, जबकि शाहपुर तथा चिचौली वितरण केन्द्र पूर्ववत कार्य करते रहेंगे। कंपनी ने रायसेन वृत्त में खरवाई तथा शिवपुरी वृत्त में सतनवाडा को नया वितरण केन्द्र बनाया है, जबकि रायसेन (ग्रामीण) तथा शिवपुरी (ग्रामीण) वितरण केन्द्र पहले की तरह कार्य करते रहेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपेक्षा जताई है कि इन नए वितरण केन्द्रों से ग्रामीण क्षेत्र की विद्युत वितरण व्यवस्था में सुधार आयेगा। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने कहा है कि नव निर्मित वितरण केन्द्रों से जहाँ एक ओर उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी वहीं दूसरी ओर निर्बाध एवं भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति में आवश्यक सुधार होगा।

पशुधन की गणना के लिए अपने पशुओं की सही जानकारी अवश्य दें - मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भारत सरकार के निर्देशानुसार में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा 21वीं पशु संगणना-2024 का कार्य सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 25 अक्टूबर 2024 से प्रारंभ हो चुका है। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री, (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने प्रदेश के सभी पशुपालकों से अपील की है कि जब पशुपालन विभाग से कर्मचारी उनके पशुधन की गिनती के लिए आएं, तो उन्हें अपने पशुओं की सही जानकारी अवश्य् दें। कोई घर-कोई पशुधन गणना से न छूटे। इस भावना से कार्य करें कि मेरे पशु मेरी जिम्मेदारी है। यह राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, इसमें सभी अपना पूरा सहयोग दें। मंत्री श्री पटेल ने बताया कि प्रदेश के 55 जिलों के कुल 55 हजार 902 ग्रामों व 7 हजार 846 शहरी वार्डों में पशुओं की गणना की जाएगी। प्रदेश में आज तक कुल 7077 ग्राम/शहरी वार्डों में सर्वे कार्य प्रारंभ हो चुका है, शेष ग्रामों /शहरी वार्डों में सर्वे कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। प्रदेश में पशु संगणना में 5558 प्रगणक एवं 970 सुपरवाईजर कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष-2019 की पशुगणना के अनुसार मध्यप्रदेश में 6 करोड़ से अधिक पशु थे। इसके अनुसार पशुओं की संख्या की दृष्टि से मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है।

उज्जैन आईटीआई में मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी लैब होगी स्थापित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा देने के लिए कौशल विकास संचालनालय और सीमेंस लिमिटेड के बीच इन्डो-जर्मन इनिशिएटिव फॉर टेक्निकल एजुकेशन प्रोग्राम के दूसरे चरण के तहत द्विपक्षीय समझौता (रूस्) संपन्न हुआ। इस अवसर पर कौशल विकास संचालनालय के संचालक श्री गिरीश शर्मा (आईएएस) और सीमेंस लिमिटेड के श्री धर्मवीर सिंह ने इस समझौते का आदान-प्रदान किया। प्रोग्राम, जो जर्मन ड्यूल वीईटी (दोहरे व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण) मॉडल पर आधारित है। इस प्रोग्राम के तहत प्रदेश के चार प्रमुख इंडस्ट्री क्लस्टर— ग्वालियर/शिवपुरी, जबलपुर/कटनी, सागर/दमोह और रीवा/सतना के अंतर्गत 40 शासकीय आईटीआई का चयन किया गया है। इन संस्थानों में 10 प्रमुख ट्रेड्स, जैसे इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, फिटर, टर्नर, और वेल्डर के छात्रों को उद्योग आधारित इन-प्लांट ट्रेनिंग दी जाएगी। सीमेंस लिमिटेड के विशेषज्ञ न केवल इन ट्रेड्स के छात्रों को प्रशिक्षण देंगे, बल्कि आईटीआई के प्राचार्यों, प्रशिक्षण अधिकारियों और ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर्स की क्षमता निर्माण पर भी काम करेंगे। यह प्रोग्राम उद्योगों की जरूरतों और छात्रों के कौशल के बीच पुल का काम करेगा, जिससे युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इसके अलावा, सीमेंस फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और कौशल विकास संचालनालय के बीच एक अन्य महत्वपूर्ण समझौता भी संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत उज्जैन स्थित शासकीय संभागीय आईटीआई में एक अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी लैब स्थापित की जाएगी। यह लैब डिज़ाइन, सीएनसी प्रोग्रामिंग, 3डी प्रिंटिंग और डिजिटल टेक्नोलॉजीज के माध्यम से कौशल विकास को नई दिशा प्रदान करेगी। यह पहल प्रदेश के युवाओं को वैश्विक मानकों पर आधारित तकनीकी प्रशिक्षण देकर उन्हें प्रतिस्पर्धी बनाने का प्रयास है।

नेशनल गेम्स-2025 के लिये खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिये बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध करायें-मंत्री सारंग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि नेशनल गेम्स-2025 के लिये खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के साथ बेहतर सुविधा भी प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाये। मंत्री श्री सारंग ने शुक्रवार को मंत्रालय में नेशनल गेम्स-2025 के लिये खेल विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि नेशनल गेम्स क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान की जायें। उन्हें ट्रेण्ड प्रशिक्षकों से ट्रेनिंग दिलवायी जाये। सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन कर गोल्ड मैडल हासिल करने के लिये प्रोत्साहित किया जाये। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि एक जैसे गेम्स को ग्रुप में शामिल कर 4-5 ग्रुप बनाकर अलग-अलग खेल अधिकारियों को उस ग्रुप की जिम्मेदारी दी जाये। इससे खिलाड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होगी और वह खेल अधिकारी लगातार खिलाड़ियों से सम्पर्क में रहेगा। खिलाड़ियों से निरंतर संवाद से उनको मोटिवेशन मिलेगा और उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण होता रहेगा।

बैठक में बताया गया कि पिछली बार कुल 112 मैडल हासिल हुए थे, जिसमें 38 स्वर्ण, 33 रजत और 39 काँस्य पदक जीतकर मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर रहा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि संभावनाएँ बहुत हैं, प्रोत्साहन की जरूरत है। इस बार मध्यप्रदेश के खिलाड़ी और बेहतर प्रदर्शन कर अग्रणी स्थान हासिल करेंगे।

मंत्री श्री सारंग ने नेशनल गेम्स में शामिल होने वाले सभी खेलों में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भागीदारी करने वाले कोच और खिलाड़ियों को पहले से निर्धारित स्थान पर भिजवाने की व्यवस्था की जाये। बैठक में बताया गया कि आगामी नेशनल गेम्स उत्तराखण्ड में होंगे। इसमें 36 गेम्स को शामिल किया गया है। ओपनिंग सेरेमनी 28 जनवरी को देहरादून में होगी। देहरादून के साथ हरिद्वार, शिवपुरी ऋषिकेष, कोटी कॉलोनी तेहरी, रुद्रपुर, उत्तमसिंह नगर, सात ताल (भीम ताल), हल्दवानी, अल्मोड़ा, पिथोरगढ़ और टनकपुर में नेशनल गेम्स के लिये जगह निर्धारित की गयी है। बैठक में 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखण्ड-2025 की आवश्यक तैयारियों, राष्ट्रीय खेल पात्रता, खेल प्रशिक्षण शिविर, किट, रेल आरक्षण आदि पर भी चर्चा की गयी। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव, खेल संचालक श्री रवि कुमार गुप्ता, संयुक्त संचालक श्री बी.एल. यादव, उप सचिव श्री संजय जैन सहित अन्य खेल अधिकारी उपस्थित थे।

खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में उपार्जित धान की मिलिंग के लिये अपग्रेडेशन राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में उपार्जित धान की मिलिंग के लिये अपग्रेडेशन राशि स्वीकृत की गई है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि प्रदेश में खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में प्रदेश में किसानों से उपार्जित धान की मिलिंग में तेजी लाने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं अंतर्गत चावल की आपूर्ति सुनिश्चित करने, राज्य की आवश्यकता के अतिरिक्त अतिशेष चावल को केन्द्रीय पूल में त्वरित गति से परिदान करने एवं प्रदेश में उपार्जित धान की भारत सरकार द्वारा मिलिंग के लिये निर्धारित समयावधि में मिलिंग कराये जाने के उद्देश्य से अपग्रेडेशन राशि स्वीकृत की गई है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गये हैं। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में प्रदेश में किसानों से उपार्जित धान की मिलिंग के लिये मिलिंग प्रोत्साहन राशि 50 रुपये प्रति क्विंटल पर म.प्र.स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन में जमा करने के लिये नियत की गई है। इसमें भारतीय खाद्य निगम को परिदान के बंधन को नहीं रखा जायेगा।

मिलिंग अनुपात 40 प्रतिशत से अधिक एवं अधिकतम 80 प्रतिशत म.प्र.स्टेट सिविल सप्लाईज कॉर्पोरेशन तथा 20 प्रतिशत से अधिक एवं 60 प्रतिशत के मध्य भारतीय खाद्य निगम को परिदान किये जाने पर 50 रूपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि के अतिरिक्त 40 रूपये प्रति क्विटल अपग्रेडेशन राशि के रूप में दी जायेगी।

एम.पी. ट्रांसको ने वर्ष-2024 में हॉसिल की ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि वर्ष-2024 में ऊर्जा क्षेत्र में एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां हॉसिल की है ।एम.पी. ट्रांसको ने कैलेंडर वर्ष-2024 में प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क (पारेषण प्रणाली) के अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, विस्तारीकरण एवं विश्वसनीयता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक नए आयाम स्थापित किए।

ऊर्जा मंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में इस वर्ष एम.पी. ट्रांसको ने अपने नेटवर्क में 1729 एम.व्ही.ए. क्षमता की अतिरिक्त वृद्धि की। इससे प्रदेश में कुल ट्रांसफॉर्मेशन क्षमता बढ़कर 80 हजार 774 एमवीए की हो गई है। इस वर्ष 47 नये पॉवर ट्रांसफार्मर स्थापित कर ऊर्जीकृत किये गये, जिससे एम.पी. ट्रांसको के ऊर्जीकृत पॉवर ट्रांसफार्मर की संख्या बढकर 1023 हो गई है। इसमें 400 के.व्ही. के 37,220 के.व्ही. के 215 एवं 132 के.व्ही. के 771 ट्रांसफॉर्मर क्रियाशील हैं।

इस वर्ष मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन लाइनों की लंबाई बढ़कर 42133 सर्किट कि.मी. की हो गई है, जो प्रदेश के 416 अति उच्चदाब सब-स्टेशनों में विद्युत पारेषण करती है। इस वर्ष प्रदेश में 176 सर्किट किलोमीटर लाइनों का निर्माण कर ऊर्जीकृत किया गया।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि एम.पी. ट्रांसको के सिस्टम ने प्रदेश में पहली बार 18 हजार मेगावाट से ऊपर विद्युत डिमांड बिना किसी व्यवधान के हैंडल करने में सफलता प्राप्त की।

प्रदेश में स्मार्ट सिटी योजना में 7 शहरों में 1253.65 करोड़ रूपये के कार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्मार्ट सिटी योजना के माध्यम से शहरों का समुचित विकास, आर्थिक सुधार और नागरिकों की जीवनशैली में सुधार के कार्य प्रमुख रूप से किये जा रहे हैं। योजना में पिछले एक वर्ष में सातों स्मार्ट सिटी शहरों में 1253 करोड़ 65 लाख रूपये की 81 कार्य पूरे किये जा चुके हैं। वर्तमान में 828 करोड़ के 43 कार्य प्रगति में है। प्रदेश के 7 शहरों में भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर और सतना शहर शामिल है।

स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत केन्द्र सरकार द्वारा %द सिटी इन्वेस्टमेंटस् टू इनोवेट इंटीग्रेट एण्ड सस्टेन%

(सीआईटीआईआईएस 2.0) प्रोग्राम के कम्पोनेन्ट-1 अंतर्गत राज्य के 2 स्मार्ट सिटी शहर उज्जैन एवं जबलपुर का चयन किया गया है। योजना के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कार्यों के लिये चयनित प्रत्येक शहर को 135 करोड़ रूपये के मान से अनुदान राशि प्राप्त होगी। चैंलेज कंपोनेंट-2 के अंतर्गत नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रस्ताव तैयार कर केन्द्र सरकार को स्वीकृति के लिये भेजा है। केन्द्र सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नर्चरिंग नेबरहुड 1.0 के अंतर्गत किये गये कार्यों के लिये जबलपुर और इंदौर स्मार्ट सिटी को सम्मानित किया जा चुका है। जबलपुर स्मार्ट सिटी द्वारा आंगनवाड़ी, पार्कों का?विकास कार्य और सिविल अस्पतालों में बच्चों के लिये वैक्सीनेशन सेंटर का निर्माण प्रमुख रूप से किया गया है।

इंदौर स्मार्ट सिटी द्वारा सार्वजनिक स्थलों और ज्यादातर बस्तियों में विकास कार्य किये गये हैं। इंदौर स्मार्ट सिटी में जिज्ञासारत उमंग वाटिका और कर्मरथ आदि विकास कार्य प्रगति पर हैं।

वन मण्डल उमरिया में बाघ के हमले में मृत महिला के परिजन को दी जायेगी आर्थिक सहायता

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। वन मण्डल उमरिया के अंतर्गत वन परिक्षेत्र घुनघुटी की बीट अरहरियादादर कक्ष क्रमांक आर.-239 में वन्य-प्राणी बाघ द्वारा लकड़ी बीनने गयी महिला बचनी बाई पर हमला किया गया, जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। वन विभाग द्वारा शासन के नियमानुसार महिला के परिजन को आर्थिक सहायता दी जाने की कार्यवाही की जा रही है। वन मण्डलाधिकारी उमरिया ने बताया कि पीड़ित परिवार को वन विभाग द्वारा हर संभव तात्कालिक सहायता प्रदान की जा रही है। वन मण्डलाधिकारी वन मण्डल उमरिया ने बताया कि 25 दिसम्बर को दूरभाष पर सूचना प्राप्त हुई कि वन परिक्षेत्र घुनघुटी के बीट अरहरियादादर कक्ष क्रमांक आर.-239 के बडका डोडबहार में महिला का शव झाड़ियों में मिला है। महिला के शव के आसपास निरीक्षण करने पर बाघ के पदचिन्ह मिले, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि बाघ द्वारा महिला पर हमला किया गया। घटना स्थल पर तहसीलदार पाली, हलका पटवारी, चौकी घुनघुटी का पुलिस स्टॉफ, सरपंच अमीलिहा और मृतका के परिजन की मौजूदगी में पंचनामा तैयार कराया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली में पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद पीड़िता का शव अंतिम संस्कार के लिये उनके परिजनों को सौंप दिया गया। कार्यवाही के दौरान वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि वन्य-प्राणी विचरण क्षेत्र में मुनादी कर ग्रामीणों को वन्य-प्राणियों से सुरक्षित रहने की समझाइश दी जा रही है।

बच्चों से यौन अपराध पर मृत्यु दंड तक का प्रावधान है पॉक्सो एक्ट में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। यौन अपराधों से बच्चों को संरक्षण देने के उद्देश्य से पॉक्सो प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्राम सेक्सुअल अफेंसेस एक्ट अधिनियम बनाया गया है। केन्द्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा बनाये गये इस कानून के अन्तर्गत नाबालिग बच्चों के प्रति यौन उत्पीडन, यौन शोषण और पोर्नोग्राफी जैसे यौन अपराध और छेड़-छाड़ के मामलों में कार्रवाई की जाती है। इसमें अलग-अलग अपराध के लिए अलग-अलग सजा भी निर्धारित है। यह अधिनियम पूरे देश में लागू है। पॉक्सो के तहत सभी अपराधों की सुनवाई एक विशेष न्यायालय द्वारा कैमरे के सामने बच्चों के माता-पिता या जिन लोगों पर बच्चा भरोसा करता है, उनकी उपस्थित में होती है। पॉक्सो अधिनियम-2012 के लागू होने के बाद वर्ष 2020 में पॉक्सो अधिनियम में कई अन्य संशोधन के साथ सजा का दायरा बढ़ाकर आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक के दंड का प्रावधान किया गया है। अधिनियम की धारा-3 में प्रवेशन लैंगिक हमला होने पर कम से कम 10 वर्ष का कारावास, जिसे आजीवन कारावास तक बढ़ाया जा सकता है एवं धारा-4 में जुर्माने का प्रावधान किया गया है। गुरूत्तर प्रवेशन लैंगिक हमले पर धारा-5 में कम से कम 20 वर्ष का कारावास, जिसे आजीवन कारावास/मृत्यु दण्ड तक बढ़ाया जा सकता है। इसमें धारा-6 में जुर्माने का प्रावधान भी किया गया है। लैंगिक हमला होने पर धारा 7 में कम से कम 3 वर्ष का कारावास, जिसे 5 वर्ष तक के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है एवं धारा-8 में जुर्माना भी प्रावधानित है। गुरूत्तर लैंगिक हमले के मामले में धारा-9 में कम से कम 5 वर्ष का कारावास, जिसे 7 वर्ष तक के कारावास तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही धारा-10 में जुर्माने का भी प्रावधान किया गया है। अधिनियम में लैंगिक उत्पीडन पर धारा-11 में 3 वर्ष का कारावास की सजा धारा-12 में जुर्माने का प्रावधान किया गया है। पॉक्सो अधिनियम में बच्चों का अश्लील उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस्तेमाल करने पर कठोर प्रावधान किए गए हैं। बच्चों का अश्लील उद्देश्यों/पोर्नोग्राफी के लिए इस्तेमाल करने पर धारा-13 में 5 वर्ष का कारावास तथा धारा-14(1) में उत्तरवर्ती अपराध के मामले में 7 वर्ष का कारावास तथा जुर्माने का प्रावधान है। अधिनियम में बच्चों का अश्लील उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करते समय यौन प्रताड़ना के गंभीर मामले में धारा-14(2) में कम से कम 10 वर्ष का कारावास जिसे आजीवन कारावास/मृत्यु दंड तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही जुर्माना भी होगा। अधिनियम में यह भी प्रावधानित किया गया है कि बच्चे का अश्लील उद्देश्यों हेतु इस्तेमाल करते समय गुरूत्तर प्रवेशन लैंगिक हमले के अति गंभीर मामले में धारा-14(3) अंतर्गत सश्रम आजीवन कारावास व जुर्माने की सजा होगी। बच्चे का अश्लील उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करते समय यौन प्रताड़ना के मामले में धारा-14(4) में न्यूनतम 6 वर्ष का कारावास को जुर्माने के साथ 8 वर्ष तक के लिए बढ़ाया जा सकता है। पॉक्सो अधिनियम में बच्चे का अश्लील उद्देश्यों हेतु इस्तेमाल करते समय गुरूत्तर लैंगिक हमले के अति गंभीर मामले में धारा-14(5) में कम से कम 8 वर्ष का कारावास का प्रावधान किया गया है।

भोपाल में 4 दिवसीय विज्ञान मेले का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विज्ञान और समाज के बीच सेतु निर्माण आवश्यक है। विज्ञान को व्यवहारिक जीवन के साथ सामंजस्य स्थापित कर कैसे आगे बढ़ सकते है, इस बात को सभी वैज्ञानिक एवं अकादमिक संस्थानों को समझना चाहिए। विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह संगठन सचिव श्री प्रवीण रामदास 11 वें भोपाल विज्ञान मेला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम और अन्य महान वैज्ञानिकों के योगदान को हमेशा याद रखते हुए देश हित में विज्ञान से विकास के बारे में कार्य करना चाहिए। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 11वें भोपाल विज्ञान मेले का शुभारंभ शुक्रवार को जंबूरी मैदान में किया गया।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने %विज्ञान की बात, जन-जन के साथ की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि विज्ञान को मातृभाषा में समझाना आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को मौलिक कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहते हुए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी। विज्ञान भारती मध्य भारत के अध्यक्ष डॉ. अमोध गुप्ता ने स्वदेशी विज्ञान आंदोलन% पर प्रकाश डालते हुए स्वदेशी विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुधीर भदौरिया, विज्ञान भारती ने विज्ञान मेले को %एक उत्सव% की संज्ञा देते हुए कहा कि विज्ञान को समाज में एक सशक्त माध्यम के रूप में अपनाना चाहिए।

भोपाल विज्ञान मेले का पहला दिन नवाचार और स्वदेशी विज्ञान के संगम पर आधारित रहा।

विद्यालयीन और महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर अपने वैज्ञानिक मॉडल का प्रेजेंटेशन दिया। मेले में 150 से अधिक वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं। इस अवसर पर विज्ञान प्रतिभा पुरस्कार से सम्बंधित सत्र आयोजित किया गया जो कि विद्यालयीन छात्र-छात्राओं के लिए था। इसमें एम्प्री के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एन. सतीश ने छात्रों के रोचक प्रश्नों के उत्तर दिए।

इसमें विज्ञान के क्षेत्र में युवाओं के लिए कैरियर निर्माण के बारे में भी बात की गयी। 18 से 29 वर्ष के मध्यप्रदेश के युवाओं को विज्ञान एवं कौशल-आधारित प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई है। 12वीं या आईटीआई उत्तीर्ण युवा 46 क्षेत्रों और 1,134 पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रबंधन, मीडिया, विधिक सेवाएं, पर्यटन और वित्त जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

हेड कॉन्स्टेबल 15 हजार की रिश्वत लेते पकड़ाया

एफआईआर से नाम हटाने के लिए मांगे रुपए, लोकायुक्त ने आधी रात घर पहुंचकर की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के खड्डी खुर्द गांव में प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी को 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया। रुपए एफआईआर से नाम हटाने और जमानत देने के लिए मांगी गई थी। टीम ने कार्रवाई आधी रात को प्रधान आरक्षक के घर पहुंचकर की।

घटना सीधी जिले के रामपुर नैकिन थाना अंतर्गत ग्राम खड्डी खुर्द की है। प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी ने दिवाकर द्विवेदी से 15 हजार रुपए की मांग की थी। दिवाकर के बेटे और भांजे पर चौकी में मामला दर्ज था और जमानत देने और एफआईआर से नाम हटाने के लिए लगातार पैसों की मांग की जा रही थी।

प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी

फरियादी दिवाकर द्विवेदी

जमीनी विवाद से जुड़ा है मामला: दिवाकर द्विवेदी ने इस घटना की शिकायत लोकायुक्त पुलिस रीवा से की। इसके बाद लोकायुक्त ने शुक्रवार देर रात करीब 11:30 बजे कार्रवाई करते हुए प्रधान आरक्षक को दिवाकर के घर के बाहर रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।यह मामला 21 दिसंबर को जमीनी विवाद से जुड़ा है।

दिवाकर द्विवेदी और शैलेंद्र तिवारी के बीच हुए विवाद में मारपीट हुई थी। इस दौरान एफआईआर केवल एक पक्ष के खिलाफ दर्ज की गई थी। दिवाकर कई बार चौकी पहुंचकर जो लोग इस मारपीट में शामिल नहीं थे, उनके नाम कटवाने की अपील कर रहे थे। इसी दौरान प्रधान आरक्षक ने नाम हटाने और जमानत देने के लिए रिश्वत की मांग की।

लोकायुक्त का बयान: लोकायुक्त के कार्यवाहक उप पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि 15,000 रुपए की रिश्वत की मांग की गई थी। सत्यापन के बाद कार्रवाई करते हुए रिश्वत लेते हुए प्रधान आरक्षक को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। आगे की कार्रवाई जारी है।

बस पुल से नीचे गिरी

20 यात्री घायल, 41 लोग सवार थे, सीधी हटवा खास के पास हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के हटवा खास में शनिवार शाम 4 बजे एक बस पुल से नीचे गिर गई। यात्रियों को मामूली चोटें आईं हैं। जिसमें यात्री बाल-बाल बच गए और बड़ा हादसा होने से टल गया।

हादसे में 20 लोगों को आई चोटें: जानकारी के अनुसार, बस बघोर से सीधी की तरफ जा रही थी। जिसमें करीब 41 यात्री सवार थे। जैसे ही बस हटवा खास गांव के पास पहुंची तभी पुल के पास अनियंत्रित हो गई और पुल के नीचे गिर गई। हादसे यात्रियों में 20 यात्रियों को मामूली चोटें आईं हैं। किसी के सिर पर मामूली खरोंच है तो किसी के हाथ पर खरोंच आई है।

थाना प्रभारी कमर्जी पवन सिंह ने बताया कि बघोर से सीधी जाने वाली बस महालक्ष्मी ट्रेवल्स है। सभी घायलों को ट्रीटमेंट के लिए प्राथमिक अस्पताल में भिजवाया है। बस को निकालने के लिए क्रेन की सहायता ली जा रही है।

यूपीएससी और एमपीपीएससी नि :शुल्क कोचिंग क्लासेस

जिला पंजीयक ने दिया करंट अफेयर्स पर लेक्चर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला पंजीयक अभिषेक बघेल ने जनपद पंचायत के सभागार में संचालित यूपीएससी और एमपीपीएससी निःशुल्क कोचिंग के छात्र-छात्राओं का करेंट अफेयर्स पर लेक्चर लिया। इस दौरान सहायक संचालक निःशुल्क कोचिंग क्लासेस किरण भारती, शिक्षक गुरुदेव मिश्रा और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

व्याख्यान के दौरान उन्होंने नोबेल पुरस्कार 2024, पेरिस ओलंपिक, पहला विज्ञान रत्न पुरस्कार, पहली वन्दे मेट्रो, एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24, लोकसभा चुनाव 2024, पहला डार्क स्काई पार्क, राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिषद, इंटरनेशनल बिग कैट एलियांस, इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार 2024, अष्टलक्ष्मी महोत्सव, बीमा सखी योजना, आरबीआई के नए गवर्नर, शास्त्रीय भाषाए, सुप्रीम कोर्ट का नया ध्वज व प्रतीक चिन्ह, अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय आदि पर विस्तृत चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं आदर्श परिवार एवं आधुनिक नालंदा के डायरेक्टर परीक्षित भारती के सहयोग से निःशुल्क कोचिंग क्लासेस निरंतर रूप से संचालित हो रही है।

झुग्गियों में ट्रक घुसा, बाइक को रौंदा, किशोरी की मौत

पिता के साथ गेहूं पिसवाकर लौट रही थी, टक्कर के बाद उछलकर दूर गिरी, पिता गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के महोबा रोड़ पर बाबूराम पेट्रोल पंप के पास शनिवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक ने झुग्गियों को रौंदते हुए बाइक को टक्कर मार दी। इसमें 16 साल की किशोरी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि पिता को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं गढ़ीमलहरा थाना पुलिस ने ट्रक को पकड़ लिया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार संतु आदिवासी सागर जिले के रानीपुरा गांव का रहने वाला है और खेती करता है। शनिवार सुबह संतु अपनी बड़ी लड़की शिवानी के साथ बाइक पर गेहूं पिसाने के लिए गया था। वापस लौटते समय उसने छतरपुर की ओर से तेज रफ्तार ट्रक आते देखा, तो बाइक साइड में रोक ली। इसी दौरान एक पिकअप को बचाने के चक्कर में ट्रक सड़क से नीचे उतर गया और झुग्गियों को तोड़ते हुए बाइक से टकरा गया। टक्कर की वजह से शिवानी उछल कर रोड़ पर गिर गई और ट्रक ने उसे रौंद दिया।

गढ़ीमलहरा पुलिस ने ट्रक चालक को पकड़ा: टक्कर के बाद ड्राइवर ट्रक के साथ फरार हो गया। आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी। गढ़ीमलहरा पुलिस ने ट्रक और चालक दोनों को पकड़ लिया। घटना के बाद सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर और ओरछा थाना प्रभारी दीपक यादव मौके पर पहुंचे और घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना में घायल संतु ने बताया कि 10 साल से परिवार के साथ राधे यादव के खेत में काम कर रहा है। आज सुबह बाइक से बड़ी लड़की के साथ गेहूं पिसाने के लिए गया था। वापस लौटते हुए ट्रक ने पहले टक्कर मारी, उसके बाद बेटी को कुचल दिया। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर ने बताया कि ट्रक और चालक को गढ़ीमलहरा पुलिस ने पकड़ लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। वहीं जिला अस्पताल में घायल का इलाज जारी है और मृतक का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है।

सिंगरौली में आज सुबह से हो रही बारिश

16 खरीदी केंद्रों की धान भीगी, उठाव नहीं होने से खुले में रखी थी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले में शनिवार दोपहर 12:00 से लेकर अब तक लगातार बारिश का दौर जारी है। ग्रामीण अंचलों में सुबह से ही बारिश हो रही है। बारिश की वजह से 42 में से 16 धान खरीदी केंद्रों में रखी धान का एक बड़ा हिस्सा भीग गया है जिले के चितरंगी, देवसर, सरई, माडा सहित बैढ़न में बारिश का दौरा जारी है।

बारिश के चलते एक तरफ जहां तापमान में गिरावट हुई है। वहीं इसका सीधा असर जन जीवन पर भी पड़ा है।

धान के रखरखाव के निर्देश जारी: अपरायुक्त सहकारिता पीके मिश्रा ने बताया कि बारिश की वजह से खुले में रखी हुई धान भीगने की खबर आई है। लेकिन धान भीगने से अभी तक कोई बड़े नुकसान की खबर नहीं है। खरीदी केन्द्रों के प्रभारी से मैं लगातार संपर्क में हूं और उन्हें धान के उचित रखरखाव करने की तुरंत निर्देश भी जारी किए हैं। इसके अलावा हमने पहले से भी खरीदी केंद्रों में मौसम से बचने की व्यवस्था करने के लिए कहा था।

खरीदी के बाद केन्द्रों पर रखी धान, उठाव नहीं हो रहा: सिंगरौली जिले में 42 जगह धान खरीदी हो रही थी। लेकिन धान का परिवहन ना होने की वजह से एक बड़ा हिस्सा अभी तक खरीदी केंद्रों में ही रखा हुआ था। उठाव ना होने की वजह से धान खरीदी केंद्रों में ही थी और खुले में रखी हुई थी। ढकने के लिए खरीदी केंद्रों में कोई इंतजाम नहीं थे। इस वजह से भीग भीग गई है।

शराब के लिए पैसे नहीं देने पर पीटा

रास्ते में घेरकर लात-घूंसे मारे, रुपए भी छीने, शिकायत पर जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। छतरपुर के सटई रोड पर पीतांबरा मंदिर के पास शनिवार को तीन लोगों ने एक युवक से मारपीट कर उसके पैसे छीन लिए। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित युवक मजदूरी के पैसे लेकर घर जा रहा था तभी आरोपियों ने शराब पार्टी के लिए पैसे मांगे। मना करने पर युवक को पीट दिया। युवक ने शाम साढ़े 4 बजे अपने पिता के साथ सिविल लाइन थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित गोलू पिता रामलाल अहिरवार (35) निवासी ग्राम बगौता सुलेरन पूर्व ने बताया कि वह मजदूरी काम करता है। शुक्रवार रात 8 बजे गांव के ही तीन लोग देशराज अहिरवार, अजय अहिरवार और विकास उर्फ काले अहिरवार उसके पास पहुंचे और शराब पार्टी के लिए पैसे मांगने लगे।

पहले दी धमकी फिर पीटा, रुपए भी छीने: गोलू ने आरोप लगाया कि पैसे देने से मना करने पर उन लोगों ने उसके साथ मारपीट करने की धमकी दी और वहां से चले गए। इसके बाद शनिवार दोपहर को वह पीतांबरा मंदिर के पास से पुष्पेंद्र मिश्रा से मजदूरी के रुपए लेकर वापस घर जा रहा था।

तभी तीनों ने पीतांबरा मंदिर के पास रास्ते में उसे रोक कर 10 हजार रुपए छीन लिए और गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोपियों ने पीड़ित को रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दी। उसने शनिवार शाम को सिविल लाइन थाने में शिकायती आवेदन दिया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

टीआई बोले- जांच के बाद करेंगे कार्रवाई: मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि एक व्यक्ति के साथ कुछ लोगों ने मारपीट की है। जिसकी शिकायत का आवेदन उसने थाने में दिया है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बेसमेंट में संचालित जिम में लगी आग

2 लाख रुपए का सामान जला, फायर ब्रिगेड ने 30 मिनट में पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। सिविल लाइन थाने के सामने एक बिल्डिंग के बेसमेंट में संचालित जिम में शनिवार शाम को अचानक आग लग गई। जिम के ऊपरी फ्लोर में संचालित बाइक शोरूम के कर्मचारियों और आसपास के लोगों फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इसके बाद करीब 30 मिनट में आग पर काबू पाया गया। घटना में करीब 2 लाख रुपए का सामान जल गया।

जानकारी के अनुसार पन्ना रोड पर दादू बिल्डिंग के बेसमैंट में "बिस्ट फैक्ट्री" नामक जिम संचालित है। उसके ऊपरी फ्लोर में ओला ई-बाइक का शोरूम है। शनिवार शाम 4 शॉर्ट सर्किट से अचानक जिम के अंदर अचानक आग लग गई।

दो लाख रुपए का सामान जला

घटना के समय जिम बंद थी, ओला कंपनी के कर्मचारियों ने धुआं और आग की लपेट देख फायर ब्रिगेड और जिम संचालक शिवा कुशवाहा को सूचना दर। इसके बाद शिवा कुशवाहा ने मौके पर पहुंचकर जिम का ताला खोला और फायर ब्रिगेड ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पाया।

जिम संचालक शिवा ने बताया कि घटना के समय वह घर पर था, जिम में ताला लगा था। ओला शोरूम के कर्मचारियों ने आग लगने की जानकारी दी। घटना में करीब दो लाख रुपए का सामान जल गया।

वहीं सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने बताया कि आग लगने की वजह अभी पता नहीं चल पाई है। जांच के बाद ही कारण पता चलेगा।

कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षक संवर्ग के शासकीय सेवकों की समस्याओं का निवारण शिविर 3 को

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल के पत्र 18 अक्टूबर के द्वारा विभाग में कार्यरत/सेवानिवृत्त शिक्षक संवर्ग के शासकीय सेवकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के त्वरित निराकरण की दृष्टि से आगामी शीतकालीन अवकाश 31 दिसम्बर से 04 जनवरी तक की समयावधि में लंबित समस्याओं के निराकरण हेतु जिला स्तरीय समस्या निवारण शिविर आयोजित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

समस्या निवारण शिविर में प्रमुखतः क्रमोन्नति/समयमान वेतनमान का लाभ देने संबंधी प्रकरण, वेतन निर्धारण से संबंधित लंबित प्रकरण, विभिन्न प्रकरण के अवकाश स्वीकृति के लंबित प्रकरण, शासकीय सेवकों के लंबित सेवानिवृत्त स्वत्वों के निराकरण संबंधी प्रकरण, आगामी छह माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरण तैयार करने संबंधी एवं अन्य स्थापना संबंधी मुद्दे यदि कोई है तो का निराकरण किया जायेगा।

03 जनवरी को शासकीय उ.मा.वि. क्रमांक 2 सीधी में शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें समस्त विकासखण्ड के प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

ऑपरेशन निखार अंतर्गत बोर्ड परीक्षा की तैयारी की हुई समीक्षा

मेरिट में ज्यादा छात्र आये इसलिए संचलित करे विशेष कक्षा : अंशुमन राज

नियमित रूप से रेमेडियल कक्षाएं संचालित कर परीक्षा परिणाम बढ़ाये

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी अंशुमन राज की अध्यक्षता में बोर्ड परीक्षा परिणाम में सुधार लाने के लिए जिला उत्कृष्ट विद्यालय सीधी के सभागार में प्राचार्यों की बैठक आयोजित हुई बैठक में संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा श्री एस के त्रिपाठी एवं उपसंचालक श्री के पी तिवारी उपस्थित हुए।

बैठक में गत वर्षों के परीक्षा परिणाम की जानकारी, इस वर्ष अब तक किये गए कार्य एवं कार्ययोजना, विभागीय गतिविधियों और बीते वर्ष के 0 से 30 प्रतिशत वाले स्कूलो द्वारा किये प्रयास की जानकारी एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र द्वारा दी गई।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने प्राचार्य व शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित किया। उन्होंने कहा कि कमजोर विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल कक्षाएं नियमित रूप से चलें। 10वीं एवं 12वीं के ऐसे विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा की विशेष तैयारी करवाई जाए जो अर्धवार्षिक परीक्षा में डी एवं ई ग्रेड लाए हैं। रेमेडियल कक्षाओं के दौरान मॉड्यूल से विद्यार्थियों से ही पढ़ाई करवाई जाए। दसवीं की तैयारी के लिए अभ्यास पुस्तिका एवं तीन वर्ष के पेपर का उपयोग किया जाय। संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण रीवा संभाग रीवा एस के त्रिपाठी ने कहा कि पढ़ाई में कमजोर छात्रों के पालकों से बात करें। हमें शतप्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करनी ही होगी, अनुपस्थित बच्चों के पालकों से संपर्क कर बच्चों के अनुपस्थित रहने के कारण जाने और उन्हें उपस्थित रहने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि अध्ययन में कमजोर बच्चों से उनकी समस्या का कारण पूछे और रेमेडियल एवं अतिरिक्त कक्षा के माध्यम से मार्गदर्शन दें।

बैठक में यह अधिकारी रहे उपस्थित

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ पी एल मिश्रा, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग डॉ डीके द्विवेदी, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य एसएन त्रिपाठी, सहायक संचालक ओशो उत्सव, सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी, एडीपीसी प्रवीण शुक्ला, एपीसी रमसा सुजीत मिश्रा, समस्त बीआरसीसी तथा सभी स्कूल के प्राचार्य उपस्थित रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर व्यक्त किया शोक

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। शहर कांग्रेस कमेटी चिरहुला ब्लॉक के अध्यक्ष रामकीर्ति शर्मा ने जारी प्रेस विज्ञाप्ति में कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का निधन हो जाने से देश का प्रत्येक नागरिक शोकाकुल है एवं सर्म्पूण देश मे शोक की लहर व्याप्त है, उनके निधन से देश को अपूर्णीय क्षति हुई है जिसका भरपाई भविष्य मे हो पाना मुमकिन नही है।

शोक संवेदना व्यक्त करने वालो में मुख्य रूप से चिरहुला ब्लॉक अध्यक्ष रामकीर्ति शर्मा, पार्षद द्वय मनीष नामदेव, आरती बकख्शरिया, गुलाम अहमद मुन्ना एवं पार्षद प्रतिनिधि अमृतलाल मिश्रा, सहफ़ूज खान, पूर्व पार्षद गुले अहमद, गोविन्द कुशवाहा, मनुआ साकेत, मंडलम अध्यक्ष लल्लू सिंह यादव, राजेंद्र तिवारी, केशव वर्मा, अखिलेश तिवारी, जय सिंह, सुनील दुबे, सेक्टर अध्यक्ष राकेश पटेल, अनवर अंसारी, दीपक साकेत, हेमेंद्र त्रिपाठी, दीपक बंसल, अमित तिवारी, रामस्वरूप झाँझोट, इम्तियाज खान, श्रीराम वर्मा, सत्यप्रताप सिंह, अजीत सिंह, स्वामी दादा, सुब्रत सेन, मुस्ताक खान, अजहरूद्दीन अज्जू, संजय पटेल, राकेश कुशवाहा, मोहसिन खान बंटी, प्रवीण शुक्ला, सनी सिंह, ब्रजेश मिश्रा, सुशील विश्वकर्मा, राकेश कुशवाहा, ज्ञानेंद्र मिश्रा, भारत सिंह पटेल, बन्टू यादव, रिमी सिंह सिलपरा, रफी लाला, लल्लू भाई, कमलेश विश्वकर्मा, राजेश बंशल,धीरेन्द्र चमकेल, प्रदीप नारायण सिंह मुन्ना, प्रदीप कोल, राजा राम गौतम राजमन पटेल मोलाई पटेल कमलेश तिवारी राघवेंद्र द्विवेदी, आदि सैकड़ों ब्लॉक कांग्रेस पदाधिकारी शामिल हैं।

विचार

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।' दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्त्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया।

एक्सीडेंटल राजनेता, क्रांतिकारी अर्थशास्त्री

उमेश चतुर्वेदी

साल 1999 के आम चुनावों में दिल्ली की सात में छह सीटों पर तत्कालीन साधारी भारतीय जनता पार्टी को करारी हार मिली थी। दक्षिण दिल्ली की इकलौती ऐसी सीट रही, जहां बीजेपी के विजय कुमार मल्होत्रा को जीत मिली थी। मल्होत्रा के सामने जिन्हें हार मिली थी, वे राजनेता मनमोहन सिंह थे। उन दिनों मैं दैनिक भास्कर के दिल्ली यूरो में काम करता था। अखबारी रिपोर्टिंग की एक रवायत है। वह विजेताओं को ही खोजती है और उनकी ही बात करती है। लेकिन हमारे तत्कालीन यूरो चीफ और दिग्गज पत्रकार शरद द्विवेदी ने मुझे सफदरजंग रोड भेज दिया, जहां मनमोहन सिंह बतौर राज्यसभा सांसद रह रहे थे। शरद द्विवेदी का तर्क था कि मनमोहन सिंह देश की अर्थव्यवस्था को बदलने वाले राजनेता हैं। उनके घर का माहौल देखना चाहिए और उस पर स्टोरी लिखनी चाहिए।

मैं जब मनमोहन सिंह के घर पहुंचा तो वहां करीब साठ-सत्तर कार्यकर्ता मौजूद थे। बंगले में एक तरह से उदासी छायी थी। एक ड्रम में रसना घोल रखी गई थी और आने वाले लोगों को पिलाई जा रही थी। वहां कांग्रेस का कोई बड़ा नेता मौजूद नहीं था, सिवा राजस्थान के रामनिवास मिर्धा के। मिर्धा भी चुपचाप एक कोने में खड़े थे। और तो और, वहां पत्रकार भी नहीं थे। मेरे पहुंचने के बाद बंगले में सिर्फ एक और पत्रकार आए। इस बीच साधारण से सफेद कुर्ता-पाजामा और नीली पगड़ी में मनमोहन सिंह मेरी तरफ मुखातिब हुए। उन्हें मैंने बतौर पत्रकार परिचय दिया तो उन्होंने कांपते हाथों से हाथ मिलाया और फिर उसी तरह तकरीबन कांपते हुए रसना का गिलास मुझे थमा दिया। उस वक्त मैंने बचकाना सा सवाल पूछ लिया था, क्या सोच रहे हैं?

मनमोहन सिंह को उसके बाद राज्यसभा और दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में खूब देखा। वे कभी पढ़ते हुए दिखते तो कभी चुपचाप बैठे हुए। 2004 में भारतीय जनता पार्टी के इंडिया शाइनिंग अभियान को धत्ता बताते हुए कांग्रेस की अगुआई में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन ने केंद्रीय सत्ता का दावेदार बन गया। तब शायद ही किसी ने सोचा था कि मनमोहन सिंह अगले प्रधानमंत्री बनेंगे। उस वक्त माना यह जा रहा था कि अगर किसी वजह से सोनिया गांधी प्रधानमंत्री नहीं बन पाएंगी तो प्रणब मुखर्जी देश के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। लेकिन सोनिया गांधी ने प्रणब मुखर्जी की बजाय मनमोहन सिंह पर भरोसा किया।

1991 में जब नरसिंह राव ने केंद्र की सत्ता संभाली, तब देश भारी आर्थिक संकट से गुजर रहा था। देश की आर्थिक स्थिति इतनी खराब थी कि उसे विदेशी विनिमय के लिए अपना 67 टन सोना ब्रिटेन में गिरवी रखकर उसके एवज में 2.2 अरब डॉलर का कर्ज लेना पड़ा था। ऐसे माहौल में नई सरकार के लिए देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना बड़ी चुनौती थी। लेकिन नरसिंह राव ने इसे स्वीकार किया। उन्होंने मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया और मनमोहन सिंह ने उदारीकरण के साथ ही आर्थिक सुधारों की शुरूआत की। 1991 के चुनावों के बाद बनी नई सरकार ने 25 जुलाई 1991 को नया बजट पेश किया। उसी बजट को पेश करते हुए बतौर वित्त मंत्री देश को नई आर्थिक राह पर लेकर चल पड़े। उदारीकरण, वैश्वीकरण और आर्थिक सुधार के साथ देश आर्थिक मोर्चों को फतह करते हुए आगे बढ़ चला। इस राह पर देश आज कितना आगे बढ़ चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। देश का आज आर्थिक नक्शा बदला हुआ नजर आता है तो उसकी बड़ी वजह मनमोहन सिंह की रखी हुई बुनियाद ही है।

मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्री प्रधानमंत्री के रूप ही याद किया जाता है। लेकिन प्रधानमंत्री को राजनेता भी होना चाहिए। मनमोहन आधुनिक और प्रचलित अर्थों में राजनेता नहीं थे। उनके ही मीडिया सलाहकार रहे संजय बारू ने उन्हें एक्सीडेंटल प्रधानमंत्री कहा है। मनमोहन सिंह पर आरोप लगा कि वे कठपुतली प्रधानमंत्री हैं। उनकी सरकार को सलाह देने के लिए सोनिया गांधी की अगुआई में राष्ट्रीय सलाहकार परिषद बनी, जिसके बारे में कहा जाता था कि वह सलाहकार कम, आदेश देने वाली संस्था है। उनकी ही सरकार ने तीन साल की सजा पाने वाले राजनेताओं की संसद और विधानमंडल की सदस्यता खत्म होने को रोकने वाला अध्यादेश पारित किया था, जिसे राहुल गांधी ने फाड़ कर एक तरह से उस अध्यादेश को प्रभावहीन कर दिया था।

मनमोहन सिंह 2004 से 2014 तक, दस साल देश के प्रधानमंत्री रहे। पहले कार्यकाल में तो नहीं, लेकिन 2009 से 2014 के कार्यकाल में उनकी सरकार और उनके मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के खूब आरोप लगे। बेशक प्रधानमंत्री के रूप में उनके चरित्र और दामन पर कोई दाग नहीं लगा। लेकिन उनकी चुप्पी देश को खलती रही। इसलिए उन्हें मौनमोहन तक कहा जाने लगा था।

बिल्कुल मामूली परिवार में जन्मे मनमोहन सिंह ने अर्थशास्त्र की ऊंची शिक्षा हासिल की। कैंब्रिज में अर्थशास्त्र की ऊंची शिक्षा ली, दिल्ली के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और पंजाब विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में अर्थशास्त्री रहे, भारत के रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे, योजना आयोग में रहे, वित्त मंत्री रहते हुए इतिहास ही रचा। मनमोहन सिंह के बतौर प्रधानमंत्री कुछ बयान विवादास्पद भी रहे। उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों का है। उनका एक और बयान था कि पैसे पेड़ पर नहीं फलते। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एक समारोह में उन्होंने जब कृतज्ञ भाव से अंग्रेजों की ओर से भारत को बड़ी देन अंग्रेजी को बताया था, तब भी उन पर सवाल उठे थे। मनमोहन सिंह सरलता और सादगी की मिसाल थे। यह सादगी उनकी ताजिंदगी पहचान रही। वे सहज भी रहे। प्रणब मुखर्जी उनके राजनीतिक बॉस रह चुके थे। बाद के दिनों में उनके मंत्रिमंडल में मुखर्जी बतौर वित्त मंत्री शामिल थे। तब भी मनमोहन उन्हें पहले की तरह सर ही कहा करते थे। जिस पर मुखर्जी ने प्रतिवाद किया था और उन्हें सर कहने से रोक दिया था।

भारत रत्न मिले तो क्या राजनीति से संन्यास ले लेंगे नीतीश

-राहिल नोरा चोपड़ा

इससे पहले अक्तूबर 2024 में, जे.डी.(यू) ने पटना में कार्यालय के बाहर एक पोस्टर लगाया था, जिसमें सी.एम. नीतीश कुमार के लिए भारत रत्न पुरस्कार की मांग की गई थी और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सैक्युलर) जीतन राम मांझी और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान सहित सत्तारूढ़ गठबंधन पार्टी के नेताओं ने इस मांग का समर्थन किया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन अटकलों को खारिज किया है कि भाजपा बिहार में महाराष्ट्र जैसी रणनीति अपना सकती है। जबकि राज्य भाजपा नेतृत्व ने कहा है कि एन.डी.ए. आगामी राज्य विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेगा। 25 दिसंबर को, वरिष्ठ जे.डी.(यू) नेताओं ने नई दिल्ली में इसी बात पर जोर दिया। हालांकि, इस मुद्दे पर नीतीश कुमार की चुप्पी ने राजनीतिक हलकों में अटकलों को हवा दे दी है कि विधानसभा चुनाव से पहले वह एक और राजनीतिक बदलाव कर सकते हैं। लेकिन अब बड़ा सवाल यह है कि अगर नीतीश कुमार को भारत रत्न मिल भी जाता है तो क्या वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे और अपनी पार्टी और सरकार भाजपा को सौंप देंगे? परन्तु यह संभावना कम ही लगती है। हालांकि, भाजपा नेताओं का मानना है कि नीतीश कुमार को भारत रत्न दिए जाने के बाद उन्हें सक्रिय राजनीति से संन्यास लेना आसान हो सकता है इससे उनके समर्थकों में सद्भावना बढ़ेगी और इसके अलावा इससे भाजपा के हाथों में राजनीतिक सत्ता भी जाएगी। बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का पटना राजभवन में स्थानांतरण काफी स्पष्ट है और यह किसी की नजर में नहीं आने वाला है। जे.डी.(यू) ने खान की उदार और प्रगतिशील अल्पसंख्यक चेहरे के रूप में साख का हवाला देते हुए इस फैसले का स्वागत किया है। वहीं, आर.जे.डी. ने भी खान की नियुक्ति का स्वागत किया है, लेकिन केरल में उनके राज्यपाल के रूप में कार्यकाल का हवाला देते हुए संघीय ढांचे की कथित अवहेलना के उनके पिछले रिकॉर्ड पर संदेह और आशंका जताई है। हालांकि, खान केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की सरकार के साथ कई मुद्दों पर उलझे हुए हैं, जबकि भाजपा-एन.डी.ए. नेतृत्व का मानना है कि बिहार के राज्यपाल के रूप में उनकी नियुक्ति से राज्य में एन.डी.ए. को ही मदद मिलेगी। इस बीच नीतीश कुमार सरकार के लिए असली चुनौती यह है कि अगर वह मुस्लिम समुदाय तक नहीं पहुंचती है, तो वह न केवल एक महत्वपूर्ण मतदाता आधार खो देगी, बल्कि 18 प्रतिशत मुस्लिम वोट भी राजद और कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन (विपक्षी गठबंधन) को चला जाएगा।

भागवत को क्यों दी जा रही है धर्म गुरु नहीं बनने की नसीहत

संजय सक्सेना

अपना देश एक रंग बिरंगे गुलदस्ते की तरह है। अनेकता में एकता जिसकी शक्ति है। यहां विभिन्न धर्म और उनकी अलग-अलग पूजा पद्धति देखने को मिलती है तो देश का सामाजिक और जातीय ताना बाना भी काफी बंटा हुआ हुआ है। ऐसे में किसी भी मुद्दे पर किसी तरह की प्रतिक्रिया देने से पूर्व सौ बार उसके बारे में सोचना पड़ता है। वर्ना देश का माहौल खराब होने या जनता की भावनाएं भड़कने में देरी नहीं लगती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का एक बयान इसका सबसे ताजा उदाहरण है। वैसे यह भी सच्चाई है कि भागवत के बयान पर पहली बार हो-हल्ला नहीं मच रहा है। इससे पूर्व भी भागवत के आरक्षण, ब्राह्मणों, डीएनए से जुड़े बयानों पर हंगामा खड़ा हो चुका है। अब संघ प्रमुख मोहन भागवत के मंदिर-मस्जिद वाले बयान पर साधु-संतों की ओर से आपत्ति सामने आई है। देश में हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय संत समिति ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की हर जगह मंदिर तलाशने और इसके सहारे कुछ लोगों का हिंदुओं का नेता बनने की कोशिश वाली टिप्पणी पर आपत्ति जताई है। समिति ने कहा है कि विभिन्न स्थलों पर मंदिर-मस्जिद विवाद को उठाने वाले नेताओं को अपने दायरे में रहना चाहिए। समिति के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा धार्मिक है और इसका फैसला धर्माचार्यों की ओर से किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस मुद्दे को सांस्कृतिक संगठन आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत को छोड़ देना चाहिए।

स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि जब धर्म का विषय उठेगा तो उसे धर्माचार्य तय करेंगे। जब यह धर्माचार्य तय करेंगे तो उसे संघ भी स्वीकार करेगा और विश्व हिंदू परिषद भी। स्वामी जितेंद्रानंद ने कहा कि मोहन भागवत की अतीत में इसी तरह की टिप्पणियों के बावजूद 56 नए स्थानों पर मंदिर पाए गए हैं, जो मंदिर-मस्जिद मुद्दों में रुचि और कार्रवाई का संकेत देते हैं। जितेंद्रानंद महाराज ने जोर देकर कहा कि धार्मिक संगठन जनता की भावनाओं के अनुसार कार्य करते हैं। इन समूहों के कार्य उन लोगों की मान्यताओं और भावनाओं से आकार लेते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं, न कि केवल राजनीतिक प्रेरणाओं से। स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती की यह टिप्पणी जगद्गुरु रामभद्राचार्य की ओर से मोहन भागवत से असहमति व्यक्त करने के एक दिन बाद आई है। बता दें जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने अपने बयान में कहा था कि मैं यह स्पष्ट कर दूं कि मोहन भागवत हमारे अनुशासनकर्ता नहीं हैं, बल्कि हम हैं। साधू संत तो भागवत के बयान से नाराज हैं हीं इसके साथ-साथ यह भी पहली बार देखने को मिल रहा है कि आरएसएस प्रमुख को 'परिवार' के भीतर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले द्वारका में द्वारका शारदा पीठम और बद्रीनाथ में ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती संघ परिवार के खिलाफ रुख अपनाते थे, लेकिन उन्हें कांग्रेस की विचारधारा से प्रभावित बता कर उनके बयानों को खारिज कर दिया जाता था।

बहरहाल, जगद्गुरु रामभद्राचार्य के साथ-साथ अन्य हिंदू धार्मिक गुरु आरएसएस के सुर में सुर मिलाने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि संघ

को आस्था के मामलों में धार्मिक हस्तियों के नेतृत्व का सम्मान करना चाहिए। उधर, राजनीति के जानकारों का कहना है कि यह स्थिति धार्मिक मामलों में आरएसएस की भूमिका और प्रभाव को लेकर हिंदू धार्मिक समुदाय के भीतर संभावित झगड़े को भी दर्शाती है। रामभद्राचार्य ने कहा कि संभल में जो कुछ भी हो रहा था वह वास्तव में बुरा था। उन्होंने कहा कि इस मामले में सकारात्मक पक्ष यह है कि चीजें हिंदुओं के पक्ष में सामने आ रही हैं। हम इसे अदालतों, मतपत्रों और जनता के समर्थन से सुरक्षित करेंगे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ किए गए अत्याचारों पर भी चिंता व्यक्त की।

बता दें हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मंदिर-मस्जिद विवादों के फिर से उभरने पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने लोगों को ऐसे मुद्दों को न उठाने की सलाह दी। मोहन भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवादों को उछाल कर और सांप्रदायिक विभाजन फैलाकर कोई भी हिंदुओं का नेता नहीं बन सकता। उनका यह बयान हिंदू दक्षिणपंथी समूहों की ओर से देश भर में विभिन्न अदालतों में दशकों पुरानी मस्जिदों पर दावे जैसी मांग के बाद आया है। इस पर हिंदूवादी संगठलनों का दावा है कि ये पुरानी मस्जिदें, मंदिर स्थलों पर बनाई गई थीं। इन मस्जिदों में जौनपुर की अटाला और संभल की शाही जामा मस्जिद भी शामिल है, जिस मामले में हाल ही में हिंसा हुई थी। 24 नवंबर को भड़की हिंसा में पांच लोग मारे गए थे।

उधर, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर राजनीति भी थमने का नाम नहीं ले रही है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का मंदिर-मस्जिद विवाद न उठाने का बयान लोगों को गुमराह करने के उद्देश्य से था। यह आरएसएस की खतरनाक कार्यप्रणाली को दर्शाता है, क्योंकि इसके नेता जो कहते हैं उसके ठीक विपरीत करते हैं। वे ऐसे मुद्दे उठाने वालों का समर्थन करते हैं। वहीं कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए आरएसएस प्रमुख को घेरा।

उन्होंने कहा कि अगर आरएसएस प्रमुख ईमानदार हैं तो उन्हें सार्वजनिक रूप से घोषणा करनी चाहिए कि भविष्य में संघ ऐसे नेताओं का समर्थन कभी नहीं करेगा जो सामाजिक सद्भाव को खतरे में डालते हैं। जयराम ने कहा कि आरएसएस प्रमुख ऐसा नहीं कहेंगे, क्योंकि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा आरएसएस के इशारे पर हो रहा है। कई मामलों में, जो लोग ऐसे विभाजनकारी मुद्दों को भड़काते हैं और दंगे करवाते हैं, उनके आरएसएस से संबंध होते हैं।

पूर्व मंत्री कवासी और बेटे के घर ईडी की रेड

शराब घोटाले में हर महीने 50 लाख मिलने का दावा, कांग्रेस बोली-चुनाव के चलते कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा और बेटे हरीश कवासी के घर ईडी ने छापेमारी की है। रायपुर के धरमपुरा स्थित कवासी लखमा के बंगले में टीम पहुंची है। यहां दस्तावेज खंगालने के बाद अफसर पूर्व मंत्री की कार को घर से बाहर निकालकर तलाशी ली। बंगले में बड़ी संख्या में सीआरपीएफ जवान मौजूद हैं।

कवासी के करीबी सुशील ओझा के चौबे कॉलोनी स्थित घर में भी ईडी ने छापा मारा है। सुकमा जिले में हरीश कवासी और नगर पालिका अध्यक्ष राजू साहू के घर पर भी दबिश दी गई है। हालांकि, कांग्रेस ने इस कार्रवाई को चुनाव से जोड़ा और कहा कि, चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाया जाता है।

बता दें कि शराब घोटाले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा पर एफआईआर दर्ज है। जिन्हें हर महीने 50 लाख दिए जाने का जिक्र है। वहीं कवासी लखमा के बेटे वर्तमान में जिला पंचायत अध्यक्ष हैं। अधिकारियों की टीम उनके घर पर भी दस्तावेज खंगाल रही है। बड़ी

संख्या में सीआरपीएफ जवान उनके घर के बाहर मौजूद हैं।

ईडी ने शराब घोटाले में दो पूर्व मंत्री पर भी कराई थी एफआईआर: छत्तीसगढ़ में शराब और कोयला घोटाले मामले में ईडी ने दो पूर्व मंत्रियों, विधायकों सहित 100 लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कराई थी। इनमें कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रहे कवासी लखमा, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, पूर्व विधायक यूडी मिंज, गुलाब कमरो, शिशुपाल का नाम शामिल हैं।

वहीं 2161 करोड़ के शराब घोटाले के मामले में श्वष्ठ ने ट्रिपल ए यानी आईएएस अफसर, अनवर ढेबर और अरुणपति त्रिपाठी को घोटाले का मास्टरमाइंड बताया था। जिसके बाद एसीबी इस मामले में अलग से कार्रवाई कर रही है। एफआईआर में तत्कालीन आबकारी मंत्री कवासी लखमा का नाम भी एफआईआर में शामिल है, जिन्हें हर महीने 50 लाख दिया जाता था।

एफआईआर में शामिल तथ्यों के आधार पर आपको बताते हैं कि किस तरह नया सिंडिकेट तैयार कर इस घोटाले को अंजाम दिया गया।

ईडी के जरिए विपक्ष निशाने में- कांग्रेस: कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि, वरिष्ठ आदिवासी नेता पर श्वष्ठ

की कार्रवाई बीजेपी की दुर्भावना को दर्शाती है। जब-जब छत्तीसगढ़ में चुनाव होते हैं, तब कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाया जाता है। प्रदेश में अभी नगरीय निकाय और पंचायत के चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में श्वष्ठ के जरिए विपक्ष के नेताओं का निशाना बनाया जा रहा। हम लड़ेंगे, मुकाबला करेंगे।

तत्कालीन आबकारी मंत्री और आयुक्त को मिलते थे 50-50 लाख: ये पूरा सिंडिकेट सरकार के इशारों पर ही चलता रहा। तत्कालीन आबकारी मंत्री कवासी लखमा को भी इसकी जानकारी थी और कथित तौर पर कमीशन का बड़ा हिस्सा आबकारी मंत्री कवासी लखमा के पास भी जाता था। चार्जशीट के मुताबिक मंत्री रहे कवासी लखमा और तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजन दास को 50-50 लाख हर महीने दिए जाते थे।

एसटीपी नहीं बना तो गंदे पानी में तैरेगा क्रूज रेस्टोरेंट

नदी किनारे 60 करोड़ के 4 एसटीपी का काम धीमा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर के अरपा में पहुंचने वाले गंदे पानी की सफाई के लिए सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट जल्दी ही नहीं बने तो न्यू रिवर व्यू रोड पर क्रूज रेस्टोरेंट तैराने या फिर बोटिंग सपना ही रह जाएगा। नदी किनारे 60 करोड़ के 4 एसटीपी का काम धीमा चल रहा है।

दरअसल, गर्मियों में सूखी बेजान हो जाने वाली अरपा में गंदे पानी का बहाव बचा रहता है। लोगों की जनभावनाओं से जुड़ी अरपा नदी में 12 महीने पानी रखने के लिए एक के बाद एक तीन बैराज बन चुके हैं, लेकिन गंदे पानी की सफाई की मूल समस्या बनी हुई है।

पानी रोकते ही गंदगी सतह पर पहुंची: 23 नवंबर को बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अरपा किनारे लेजर शो का कार्यक्रम आयोजित किया। सीएम विष्णुदेव साय इस मौके पर पहुंचे। कार्यक्रम रात को था, इसलिए लोगों को चकाचक रेशनी ही नजर आई,

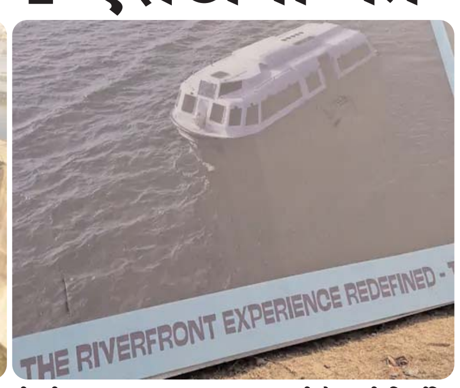

अगली सुबह दिन के ऊंजाले में अरपा में गंदगी तैरती नजर आई।

अरपा रिवाइवल प्लान कागजों में: अरपा नदी में पानी का बहाव रखने के लिए पिछले 20 वर्षों में 200 करोड़ रुपए से अधिक खर्च हो चुके हैं। नदी की सफाई के लिए भी करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं। 60 करोड़ की लागत से अभी चार एसपीटी पर काम चल रहा है, परंतु सबके सब अधूरे हैं।

दोमुंहानी स्थित नगर निगम के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट जिसकी क्षमता 54 एमएलडी की क्षमता का 25 फीसदी उपयोग हो रहा है। इसी तरह 17 एमएलडी क्षमता वाले चिल्हाटी एसटीपी की शत-प्रतिशत क्षमता का उपयोग नहीं हो पा रहा है। गौर करने वाली बात यह है कि एनजीटी ने हर एक निकाय को नाले, नालियों के गंदे पानी के उपचार के बिना उसे नदी तालाब में छोड़ने पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं।

तो अकेले 350 करोड़ पेनाल्टी भरना पड़ेगा: एनजीटी के आदेश का उल्लंघन करने पर प्रति नाला 5 लाख की पेनाल्टी निर्धारित की गई। इससे समझा जा सकता है कि यदि एनजीटी ने सख्ती बरती तो 70 नाले, नालियों के हिसाब नगर निगम को हर महीने 350 करोड़ रुपए की पेनाल्टी भरना पड़ सकती है।

बैराज कई बने पर पानी की सफाई का इंतजाम नहीं हुआ: अरपा नदी में बारहों महीने पानी का बहाव रखने के लिए कांग्रेस और भाजपा दोनों ही सरकार ने कई योजनाएं बनाईं। सबसे पहले तत्कालीन सीएम अजीत जोगी (अब स्वर्गीय) के कार्यकाल में दोमुंहानी में बैराज बनाया गया। भूपेश बघेल के कार्यकाल में शनिचरी और शिव घाट के पास दो स्थानों पर पानी रोकने के लिए बैराज लगभग पूर्णता की ओर है। इन सबके बावजूद पानी की सफाई के लिए काम नहीं हो पाया।

अरपा रिवर फ्रंट को लेकर कई घोषणाएं: हाल ही में नगर विधायक अमर अग्रवाल ने अरपा रिवर फ्रंट उद्यान का भूमिपूजन किया। इस दौरान दावा किया गया कि, अरपा किनारे जल्द ही फूड कोर्ट, गार्डन, वाटर स्पोर्ट्स, सिनेमा छ.ग. की पहली रिवर क्रूज रेस्टोरेंट, इंडोर वाटरफॉल की व्यवस्था की जाएगी।

घोषणा के मुताबिक पीपीपी मॉडल पर एम्युजमेंट पार्क और देश का पहला कवर्ड और ओपन ट्रापिकल गार्डन बनाया जाएगा। इसके लिए बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अहमदाबाद की इसीएचटी कांग्लोमेराट कंपनी को पीपीपी मॉडल पर काम सौंपा है।

बिलासपुर का हैंवेस पार्क बार सील, रेड के दौरान बार से मिली हरियाणा की 9 बोतल शराब

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर के हैवेंस पार्क बार को सील कर दिया गया है। 6 दिसंबर को आबकारी विभाग के राज्य स्तरीय उड़नदस्ता दल की संयुक्त टीम ने बार में छापामार कार्रवाई की थी। इस दौरान बार में हरियाणा की 9 बोतल शराब जब्त की गई थी। एडीओ छबी पटेल ने बताया कि हैवेंस पार्क बार के संचालक का लाइसेंस भी 15 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है। साथ ही आपराधिक और विभागीय प्रकरण भी संचालक के खिलाफ दर्ज किया गया था। बता दें कि इस मामले में कलेक्टर अवनीश शरण की ओर से हैवेन्स पार्क हॉटल बार संचालक जीवनानी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। बार संचालक से संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने पर बार का लाइसेंस 15 दिन के लिए निरस्त कर दिया गया।

सातधार में डूबे नाबालिग का 48 घंटे बाद मिला शव

चट्टानों के बीच फंसा, धमतरी से दोस्तों के साथ घूमने आया, नहाने के दौरान हादसा

मीडिया ऑडीटर, दंतेवाड़ा एजेंसी। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा जिले के बारसूर में इंद्रावती नदी के सातधार में डूबे 13 साल के नाबालिग का तीसरे दिन शव मिल गया है। दंतेवाड़ा और जगदलपुर की एसडीआरएफ की टीम लगातार 48 घंटे से खोजबीन में लगी हुई थी।

वहीं आज शनिवार की सुबह करीब 7 बजे चट्टानों के बीच शव फंसा हुआ मिला, जिसे निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है। मामला बारसूर थाना क्षेत्र का है।

दोस्तों के साथ करीब 7 बजे धमतरी से बारसूर पहुंचा: जानकारी के मुताबिक, नाबालिग का नाम यश कुमार साहू (13) है। जो गुरुवार (26 दिसंबर) की सुबह दोस्तों के साथ करीब 7 बजे धमतरी से बारसूर पहुंचा था। वहीं सातधार जाने वाले मार्ग पर लगे नाका को इन्होंने खुद खोला और जल प्रपात की तरफ चले गए थे।

जहां सभी नहाने के लिए पानी मे उतरे। जिसके बाद नाबालिग एकाएक गहरे पानी में चला गया और डूब गया।

नहाने के दौरान हुआ था हादसा: हालांकि, उसे ढूंढने की कोशिश की गई लेकिन वह नहीं मिला। जिसके बाद उसके साथ आए लोग पास में ही स्थित सीआरपीएफ 195 बटालियन के कैंप पहुंचे। डूबने की जानकारी दी गई। वहीं फौरन सीआरपीएफ और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

गुरुवार दंतेवाड़ा एसडीआरएफ और स्थानीय युवाओं की टीम खोजबीन में लगी हुई थी। जिसके बाद शुक्रवार को जगदलपुर की एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया था।

जगदलपुर और दंतेवाड़ा की टीम खोजबीन में जुटी थी: जगदलपुर और दंतेवाड़ा की टीम के करीब 20 से ज्यादा सदस्य और स्थानीय ग्रामीण समेत पुलिस के जवान नाबालिग की तलाश में जुटे रहे। वहीं 48 घंटे बाद यानी आज शनिवार की सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच शव को ढूंढ लिया गया।

एएसपी आरके बर्मन ने बताया कि शव मिल गया है। एसडीआरएफ, स्थानीय युवाओं और पुलिस की टीम लगातार शव ढूंढने लगातार जुटी हुई थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया है।

पानी का फ्लो कम लेकिन गहराई ज्यादा: दरअसल, जिस जगह नाबालिग डूबा है वहां इंद्रावती नदी के पानी से ही जल प्रपात बना है। फिलहाल पानी का फ्लो कम है, लेकिन गहराई ज्यादा है। इससे पहले भी यहां हादसे हो चुके हैं।

मालगाड़ी के सामने कूदकर युवक ने दी जान

पत्नी के मायके जाने से दुखी राजमिस्त्री, रेलवे ट्रैक पर दो टुकड़ों में मिला शव

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में एक युवक मालगाड़ी के सामने कूद गया। जिससे उसका धड़ सिर से अलग हो गया। उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि, युवक राजमिस्त्री था। 6 महीने पहले पति से विवाद होने पर उसकी पत्नी मायके चली गई। जिसके बाद से युवक दुखी था और शराब पीने का आदी भी हो गया था। घटना सीपत थाना क्षेत्र की है।

थाना प्रभारी गोपाल सतपथी ने बताया कि दर्राभाठा निवासी लेखराम साहू (38) राजमिस्त्री था। शुक्रवार की सुबह एनटीपीसी से मालगाड़ी कोयला अनलोड कर निकल रही थी। इसी दौरान लेखराम वहां दौड़ते हुए आकर ट्रैक पर लेट गया। इससे उसका सिर धड़ से अलग हो गया।

इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

मार्निंक वॉक पर जाने निकला था युवक: पुलिस की पूछताछ में परिजनों ने बताया कि, शुक्रवार सुबह लेखराम मार्निंक वॉक पर जाने की बात कहकर घर से निकला था, जिसके बाद वो वापस नहीं आया। इस बीच परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। तभी लोगों ने रेलवे ट्रैक पर लेखराम का कटा हुआ शव देखा। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए।

6 महीने पहले पत्नी से हुआ था विवाद, चली गई मायके: परिजनों ने पुलिस को बताया कि, लेखराम की पत्नी 6 महीने पहले मायके चली गई। उस समय दोनों के बीच विवाद हुआ था। पत्नी की जाने के बाद लेखराम काफी दुखी था और शराब पीने लगा था। गुरुवार की रात भी वो शराब के नशे में था। पुलिस को आशंका है कि पत्नी वियोग के चलते लेखराम ने सुसाइड किया है। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है।

विक्षिप्त महिला से दुष्कर्म कर हत्या

गैरेज के बाहर डंप खड़ी कार में फेंकी लाश, अब 2 आरोपी जेल भेजे गए

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर में कार के अंदर एक महिला की लाश मिलने के मामले में पुलिस ने गुत्थी सुलझा ली है। दरअसल, 8 सितंबर को पुजारी पार्क स्थित एक कार गैरेज के बाहर लंबे समय से डंप खड़ी गाड़ी में 40 साल की महिला की लाश मिली थी।

पीएम रिपोर्ट में महिला के साथ बलात्कार के बाद हत्या करने की बात सामने आई थी। जिसके बाद से पुलिस लगातार मामले की जांच में जुटी हुई थी। सिटी कोतवाली पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर लोगों से पूछताछ की। आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे की मदद 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सफाई कर्मी है दोनों आरोपी: सिटी कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी दाऊद दीप और सिद्धार्थ दीप दोनों सफाई कर्मी है और स्वीपिंग का काम करते है। जिस महिला के साथ दुष्कर्म कर हत्या की गई थी वह मानसिक रूप से विक्षिप्त थी। अक्सर आसपास के इलाके में घूमते रहती थी। दोनों आरोपियों ने महिला का फायदा उठाया और उसकी हत्या कर दी थी।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने हुआ खुलासा: पुजारी पार्क के पास भक्कू गैरेज में खड़ी डंप कार के भीतर 8 सितंबर को महिला की लाश मिली थी। पोस्टमॉर्टम में जांच के यह बात सामने आई की महिला से दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई। वहीं, पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड ने ट्रेन से कटकर की खुदकुशी

2 महीने बाद लड़की की होने वाली थी शादी, शादीशुदा था प्रेमी, टुकड़ों में मिली लाश

मीडिया ऑडीटर, भिलाई निप्र। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई में एक प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर खुदकुशी कर ली। सुपेला अंडर ब्रिज के पास रेलवे ट्रैक पर टुकड़ों में लाश मिली है। बताया जा रहा है कि घर में क्रिसमस की पार्टी थी, लेकिन सुबह युवती की मौत की खबर मिली। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है। युवती की पहचान चरोदा निवासी श्रेया फर्नांडीज और युवक की पहचान राहुल कुमार सिंह निवासी भिलाई सेक्टर 9 के रूप में की गई है। लड़की की 2 महीने बाद शादी होने वाली थी।

सुपेला में मोबाइल शॉप में काम करती थी श्रेया: युवती के परिजनों ने बताया कि श्रेया फर्नांडीज सुपेला में रुद्रा मोबाइल शॉप में काम करती थी। श्रेया पिछले दो-तीन महीने से सुपेला में किसी मोबाइल

शॉप में काम करना शुरू किया था। 26 दिसंबर को सुबह 11 बजे स्कूटी से चरोदा गई थी। गुरुवार को उनके घर पर क्रिसमस सेलिब्रेशन की पार्टी रखी गई थी। देर शाम जब उन लोगों ने श्रेया को फोन किया तो उसने कहा कि वो रात में घर आ जाएगी। इसके बाद जब वह नहीं आई तो उसे फोन लगाया गया, लेकिन उसका फोन बंद आया। इसके बाद अगले दिन सुबह उन्हें श्रेया की मौत की खबर मिली।

श्रेया की पसंद के लड़के से ही शादी तय: श्रेया के परिजनों ने पुलिस को बताया कि उन लोगों ने श्रेया की शादी तय कर दी थी। दो महीने बाद उसकी शादी होने वाली थी। परिजनों ने श्रेया की पसंद के लड़के से ही शादी तय की थी। इसके बाद भी उसने ऐसा क्यों किया यह किसी को नहीं पता। श्रेया फर्नांडीज का प्रेमी राहुल कुमार सिंह पहले से ही शादीशुदा था। राहुल शेयर मार्केट में काम करता था। दोनों के बीच कब से प्रेम संबंध था घरवालों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। एक साथ मौत को गले लगाने की वजह का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है।

शुक्रवार को दोनों का पोस्टमॉर्टम किया गया: एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि पुलिस को गुरुवार रात सुबह सूचना मिली थी सुपेला अंडर ब्रिज के पास रेलवे लाइन में 2 लोगों के शव क्षत-विक्षत हालत में पड़े हुए मिले हैं। पुलिस ने दोनों शवों को सुपेला स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवा दिया।

एएसपी ने बताया कि दोनों के चेहरे पहचान में नहीं आ रहे थे। बड़ी मुश्किल के बाद दोनों की पहचान की गई। शुक्रवार को दोनों का पोस्टमॉर्टम किया गया, जिसके बाद शवों को परिजनों को सौंपा गया। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है।

दंतैल हाथी को करंट लगाकर मार डाला

नाले में डूबा मिला शव, शिकारियों के मारने की आशंका, वन अमला कर रहा जांच

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक दंतैल हाथी को करंट लगाकर मार डाला गया। हाथी का शव नाले में डूबा हुआ मिला है। बताया जा रहा है कि शिकारियों ने हाथी की हत्या की है। वन विभाग मौके पर पहुंचा है। मामला कोरबा वन मंडल के कुदमुरा रेंज अंतर्गत गीतकुंवरी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार की सुबह ग्रामीण जंगल की ओर निकले थे। इस दौरान उन्होंने मरे हुए हाथी को देखा। इस दौरान गांव में सूचना मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई।

हाथी को किसी ने करंट लगाकर मारा होगा: ग्रामीणों ने बताया कि हाथी को किसी ने करंट लगाकर मारा होगा, जितने पानी में हाथी डूबा है, उसमें उसकी जान नहीं जा सकती है। कीचड़ में भी फंसने की आशंका नहीं है। ऐसे में उसकी हत्या की गई है। वन विभाग के अधिकारी आए हैं, जांच करेंगे।

हाथी की मौत कब, कैसे हुई जानकारी जुटाई जा रही: एसडीओ दक्षिण सूर्यकांत सोनी ने बताया कि वन विभाग के टीम मौके पर पहुंची हुई है। हाथी की मौत कब, कैसे और किन परिस्थितियों में हुई है यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। साथ ही हाथी कहां से आया है, इसकी भी जानकारी नहीं है।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद सामने आएगी वजह: उन्होंने बताया कि आशंका है कि जंगली जानवरों को मारने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले करंट से हाथी की मौत हुई होगी। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल मौत को लेकर जांच की जा रही है।

सिविल जज रिजल्ट को चुनौती वाली सभी याचिकाएं खारिज

याचिकाकर्ताओं ने कहा-हमारी आंसरशीट जांची नहीं गई, पीएससी का जवाब-गलत तरीके से हल किया पर्चा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य लोक सेवा आयोग (पीएससी) द्वारा आयोजित सिविल जज परीक्षा 2023 (एंट्री लेवल) के परिणामों को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दी है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि उनकी उत्तर पुस्तिकाओं की जांच नहीं गई है।

वहीं, पीएससी ने तर्क दिया कि एग्जाम के पैटर्न में बदलाव किया गया है, जिसमें स्पष्ट है कि गलत तरीके से सवाल हल करने पर उसकी जांच नहीं की जाएगी। इसके साथ ही 15 से 20 डिस्ट्रिक्ट जजों की कमेटी मूल्यांकन करती है, जिनके अभिमत पर पीएससी ने रिजल्ट जारी किया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद जस्टिस एनके व्यास ने एग्जाम के रिजल्ट को सही ठहराया है।

2023 को प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गई थी: राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा सिविल जज के 49 पदों के लिए 3 सितंबर 2023 को प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की गई थी। इसके परिणाम 24 जनवरी

2024 को घोषित किए गए, जिसमें याचिकाकर्ताओं समेत सभी याचिकाकर्ता सफल रहे। इसके बाद मुख्य परीक्षा 25 अगस्त 2024 को आयोजित की गई और इसका परिणाम 8 अक्टूबर 2024 को जारी किया गया।

इस परीक्षा के पैटर्न में बदलाव किया गया था, जिसके अनुसार प्रश्न के ठीक नीचे दिए गए बाक्स में उत्तर लिखना था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि उन्होंने उत्तर लिखते समय एक प्रश्न के नीचे किसी अन्य प्रश्न का उत्तर लिख दिया, जिसके कारण उनके उत्तरों की जांच नहीं की गई। इसके बाद जब परिणाम घोषित हुआ, तो याचिकाकर्ताओं असफल हो गए।

परीक्षा परिणाम को दी चुनौती, कहा- हमारी कॉपी नहीं जांची गई: इस परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों में श्रेया उर्मिलिया, हेमंत प्रसाद, पराग उपाध्याय, अनुराग केंवट, हेमू भारद्वाज समेत अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर परिणाम को चुनौती दी थी। इसमें कहा गया कि आयोग के परीक्षकों ने उनकी आंसरशीट की ठीक से जांच नहीं की है। इस वजह से उन सबका परिणाम खराब आया।

पीएससी ने कहा- केवल 20% ने गलत आंसर हल किया5: पीएससी के एडवोकेट डा. सुदीप अग्रवाल ने कहा कि उत्तर पुस्तिका में पहले ही यह स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि उत्तर की जांच की जाएगी, जो निर्धारित स्थान पर दिए गए हों। उन्होंने बताया कि 80 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने सही तरीके से अपने उत्तर दिए थे। केवल 20 फीसदी ने गलती की थी। इनमें महज 10 फीसदी उम्मीदवारों ने ही हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

मामले की सुनवाई जस्टिस राकेश मोहन पांडेय की सिंगल बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान डॉ. अग्रवाल ने यह भी बताया कि 15 से 20 जिला जजों की एक कमेटी द्वारा परीक्षा का मूल्यांकन किया गया था, जिन्होंने भी इस प्रक्रिया को सही ठहराया। हाईकोर्ट ने याचिकाओं को खारिज करते हुए राज्य लोक सेवा आयोग के परीक्षा परिणाम को सही ठहराया है।

निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अपमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जमीन नहीं देने पर विवाद बढ़ता जा रहा है। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर केंद्र सरकार ने उनका सरासर अपमान किया है। उधर, केजरीवाल ने कहा, ये खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। मनमोहन के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए बीजेपी सरकार 1000 गज जमीन भी न दे सकी। अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था।

27 दिसंबर को खड़गे ने स्मारक के लिए जमीन मांगी थी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार की शाम को पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। कहा था कि डॉ. सिंह का अंतिम संस्कार जहां हो वहीं स्मारक बनाया जाए। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक डॉ. सिंह की पत्नी गुरशरण कौर भी यही चाहती थीं।

इस पर गृह मंत्रालय ने कहा, 'अंतिम संस्कार के लिए निगमबोध घाट चुना गया है। स्मारक दिल्ली में बनेगा। इसके लिए उचित जगह तलाशी जाएगी और ट्रस्ट बनेगा। प्रक्रिया में समय लगेगा।%

राहुल बोले-निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार मनमोहन सिंह का अपमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए जमीन नहीं देने पर विवाद बढ़ता जा रहा है। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि सिख समुदाय के पहले प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार निगमबोध घाट पर करवाकर केंद्र सरकार ने उनका सरासर अपमान किया है। उधर, केजरीवाल ने कहा, ये खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। मनमोहन के अंतिम संस्कार और स्मारक के लिए बीजेपी सरकार 1000 गज जमीन भी न दे सकी। अब तक के सभी प्रधानमंत्रियों का अंतिम संस्कार राजघाट पर किया जाता था। 27 दिसंबर को खड़गे ने स्मारक के लिए जमीन मांगी थी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार की शाम को पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। कहा था कि डॉ. सिंह का अंतिम संस्कार जहां हो वहीं स्मारक बनाया जाए। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक डॉ. सिंह की पत्नी गुरशरण कौर भी यही चाहती थीं। केंद्र ने कहा– जगह तलाश रहे हैं इस पर गृह मंत्रालय ने कहा, 'अंतिम संस्कार के लिए निगमबोध घाट चुना गया है। स्मारक दिल्ली में बनेगा। इसके लिए उचित जगह तलाशी जाएगी और ट्रस्ट बनेगा। प्रक्रिया में समय लगेगा।

अन्ना यूनिवर्सिटी रेप केस-एफआईआर में पीड़ित के कपड़ों पर कमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई की अन्ना यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग स्टूडेंट के रेप केस में शनिवार को मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। जस्टिस एस एम सुब्रमण्यम और जस्टिस वी लक्ष्मीनारायण की वेकेशन बेंच ने 2 जनहित याचिकाओं पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि पुलिस की एफआईआर में लिखा है कि पीड़ित ने ऐसे कपड़े पहने थे जिससे अपराध हो सके। इसके अलावा अन्य जो बातें लिखी हैं कि उसमें पीड़ित के सम्मान के अधिकार और निजता के अधिकार का उल्लंघन किया गया है। पुलिस को थोड़ा संवेदनशील होने की जरूरत है। पीड़ित एक छात्रा है और उसकी उम्र केवल 19 साल है। क्या स्न्ढ्ढक्रदर्ज करने में पीड़ित की सहायता करना एसएचओ का कर्तव्य नहीं है। स्न्ढ्ढक्र में ऐसी बातें लिखी हैं जैसी लड़के हॉस्टल में छुपकर पढ़ते हैं। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाई। कोर्ट ने पूछा कि क्या महिला अपने पसंद के कपड़े नहीं पहन सकती। या वह अकेले कहीं नहीं जा सकती। एक महिला को सामाजिक कलंक से ऊपर उठना चाहिए।

आप की महिला सम्मान योजना की जांच होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने आम आदमी पार्टी आप महिला सम्मान योजना की जांच के निर्देश दिए हैं। एलजी के प्रधान सचिव ने दिल्ली के चीफ सेक्रेटरी और पुलिस कमिश्नर को चिट्ठी लिखी है। 27 दिसंबर को भेजी गई चिट्ठी के जरिए अफसरों से कहा गया है कि गैर-सरकारी लोगों द्वारा दिल्ली की जनता की निजी जानकारी जुटाई जा रही है। इसकी जांच कराएं और कानून के अनुसार कार्रवाई करें। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 12 दिसंबर को दिल्ली में 18 साल से अधिक उम्र की महिला को 1 हजार रुपए देने और चुनाव जीतने के बाद इसे बढ़ाकर 2100 रुपए प्रतिमाह करने की घोषणा की है। इसके अलावा एलजी ने पंजाब से कैश ट्रांसफर के आरोपों की भी जांच का निर्देश दिया है। एलजी ने कहा है कि पुलिस कमिश्नर बॉर्डर पर वाहनों की जांच करें और मुख्य सचिव चुनाव आयोग को इसकी जानकारी दें। कांग्रेस के संभावित उम्मीदवारों के घर पर पंजाब सरकार के खुफिया कर्मचारियों की मौजूदगी के आरोपों की भी जांच करने के निर्देश एलजी ने दिए हैं। उन्होंने पुलिस कमिश्नर से 3 दिन में रिपोर्ट मांगी है। केजरीवाल ने 12 दिसंबर को महिलाओं को हर महीने ?1000 रुपए देने का ऐलान किया। इसे महिला सम्मान योजना नाम दिया गया है।

गहलोत राज में बने 9 जिले, 3 संभाग खत्म

जयपुर (एजेंसी)। कांग्रेस सरकार के वक्त बने नए जिलों में से 9 जिलों और 3 संभागों को भजनलाल सरकार ने कैंसिल कर दिया है। साथ ही तीन संभागों को भी रद्द किया गया। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़, सांचौर जिलों को निरस्त कर दिया गया है। वहीं, बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना, कोटपूतली-बहरोड़, खेरतल-तिजारा, फलोदी और सलूंबर जिले बने रहेंगे। इसके साथ ही पाली, सीकर, बांसवाड़ा संभाग भी खत्म कर दिए गए हैं। राजस्थान में 50 जिले थे। सरकार के इस फैसले के बाद अब राज्य में 41 जिले ही रह जाएंगे। वहीं 10 संभाग की जगह 7 संभाग अस्तित्व में रहेंगे। मंत्री लेवल कमेटी ने इसकी रिपोर्ट दी थी। मंत्रियों की कमेटी ने भी ललित के पंवार कमेटी की सिफारिश को आधार बनाकर मापदंडों पर खरा नहीं उतरने पर जिले कैंसिल करने सिफारिश की। इसे कैबिनेट ने मंजूरी दे दी। जनगणना को देखते हुए 31 दिसंबर से पहले यह फैसला करना जरूरी था।

एसपी बद्दी केस में गृह सचिव और डीजीपी को नोटिस

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल हाईकोर्ट ने स्क्वबद्दी इल्मा अफरोज की तत्काल नियुक्ति को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य के गृह सचिव व डीजीपी को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। न्यायाधीश विवेक सिंह ठाकुर और न्यायाधीश राकेश कैंथला की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता सुचा सिंह द्वारा दायर याचिका की प्रारंभिक सुनवाई के पश्चात यह आदेश शुक्रवार को जारी किए। सुचा सिंह ने इस मामले में हाईकोर्ट से आग्रह किया कि इल्मा अफरोज की जल्द बद्दी में तैनाती की जाए। इल्मा की तैनाती से बद्दी की आम जनता कानून के हाथों सुरक्षित महसूस करेगी। क्षेत्र में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी ड्रग माफियाओं और खनन माफियाओं के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित हो पाएगी।

प्रार्थी ने कोर्ट को बताया कि बद्दी, बरोटीवाला और नालागढ़ में ड्रग माफिया और खनन माफिया अवैध कार्य करने के आदी हैं। यहां पर पुलिस इन ड्रग माफिया और खनन माफियाओं के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई शुरू करने में विफल रही है। जब से इल्मा को एसपी बद्दी लगाया गया। तब से क्षेत्र में उन्होंने कानून के राज को लागू किया था। इल्मा ने एनजीटी द्वारा जारी सभी निर्देशों के साथ-साथ हिमाचल हाईकोर्ट द्वारा पारित सभी आदेशों को लागू किया।

प्रयागराज में 100 फीट ऊंचा टावर गिरा

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में 100 फीट ऊंचा हाईटेंशन लाइन का टावर गिर गया। हादसे में एक मजदूर का पैर कट कर दूर जा गिरा। 2 मजदूर टावर के नीचे दब गए। घटना में 4 अन्य मजदूर भी गंभीर घायल हुए हैं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद टावर के नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकाल कर स्थानीय अस्पताल भेजा गया। जहां मजदूर सलीम की गंभीर हालत देखकर उसे एसआरएन अस्पताल रेफर किया गया है। घटना शनिवार दोपहर करीब 2 बजे गंगापार के सरायइनायत थाना क्षेत्र के सहसों इलाके की है। रिंग रोड निर्माण कार्य के चलते पुराने टावरों को हटाकर नए टावर लगाए जा रहे हैं। 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन बदली जा रही है। रेहंडम के तार को भी नए टावरों में लगाकर ऊंचा किया जा रहा है। आज दोपहर मशीन के माध्यम से मजदूर ब्रिज टावर पर तार खींच रहे थे। तभी तार टूट गया और अचानक टावर गिर गया।

अमृतसर में 2 आतंकी गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल अमृतसर ने पुलिस स्टेशन इस्लामाबाद पर हैंड ग्रेनेड फेंकने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी से नार्को-टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है। यह मॉड्यूल विदेश में बैठे ऑपरेटर चला रहे थे। आरोपियों ने 17 दिसंबर 2024 को ग्रेनेड हमला किया था। डीजीपी गौरव यादव ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों गुरजीत सिंह (निवासी डांडे, अमृतसर ग्रामीण) और बलजीत सिंह (निवासी छप्पा, तरनतारन) को गिरफ्तार किया है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एसएसओसी अमृतसर को गुप्त सूचना मिली थी कि अमेरिका आधारित नशा तस्कर संदीप सिंह उर्फ सीपू एक तस्करी नेटवर्क चला रहा है और अपने साथियों के माध्यम से पाकिस्तान से भारत में नशीले पदार्थ और हथियारों की खेप प्राप्त कर रहा है। इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए, एसएसओसी अमृतसर की टीमों ने उसके साथी गुरजीत सिंह को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 1.4 किलो हेरोइन बरामद की।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पेसा कानून में प्रस्तुत समस्त दावों का निराकरण समय-सीमा निर्धारित कर प्राथमिकता पर किया जाए, आगामी कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में इसकी समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेसा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जनजातीय कार्य विभाग में पेसा सेल गठित करने पर सहमति प्रदान की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में

समस्त पात्र भाई-बहनों का शत-प्रतिशत सेचुरेशन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश तेंदूपत्ते का बड़ा उत्पादक है, लेकिन इसका व्यावसायिक उपयोग अन्य राज्यों में होता है। तेंदूपत्ता संग्राहकों और इससे जुड़े विभिन्न व्यवसायों को प्रदेश में ही प्रोत्साहित करने एवं जनजातीय भाई-बहनों को इसके लाभ दिलवाने के लिए रणनीति बनाई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में वन अधिकार अधिनियम और पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गठित टास्क फोर्स की कार्यकारी समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तित करने के लिए राज्य शासन द्वारा जारी किए गए नोटिफिकेशन अनुसार ग्रामवासियों को रिकार्ड ऑफ राइट्स शीघ्र प्रदानकिए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिला स्तर पर वन, राजस्व और जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारी समन्वय से कार्य करें।

डल्लेवाल को डॉक्टरी मदद पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

पंजाब (एजेंसी)। खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत डल्लेवाल के आमरण अनशन के दौरान डॉक्टरी मदद न देने पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त तेवर दिखाए। एक तरफ सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि केंद्र की मदद से उन्हें अस्पताल में शिफ्ट करें। पहले आप समस्या पैदा करते हैं और फिर कहते हैं कि आप कुछ नहीं कर सकते?। दूसरी तरफ कोर्ट ने डल्लेवाल को अस्पताल शिफ्ट करने पर किसानों के विरोध को लेकर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। कोर्ट ने कहा कि किसी को अस्पताल ले जाने से रोकने का आंदोलन कभी नहीं सुना। यह आत्महत्या के लिए उकसाने जैसा है। किस तरह के किसान नेता हैं

जो चाहते हैं कि डल्लेवाल मर जाएं? डल्लेवाल पर दबाव दिखता है। जो लोग उनका अस्पताल में भर्ती होने का विरोध कर रहे हैं, वे उनके शुभचिंतक नहीं हैं। वे अस्पताल में रहकर अनशन जारी रख सकते हैं। वहीं पंजाब के चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी के खिलाफ अवमानना के मामले को लेकर 31 दिसंबर को फिर सुनवाई होगी। डल्लेवाल फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के कानून की मांग को लेकर 33 दिन से खनौरी बॉर्डर पर अनशन पर बैठे हैं। कल 27 दिसंबर की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती करने के बारे में किए गए प्रयासों को लेकर रिपोर्ट मांगी थी।

मणिपुर- लगातार 5वें दिन गोलीबारी में महिला और पत्रकार घायल

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के इंफाल ईस्ट में लगातार 5वें दिन कुकी और मैतेई ग्रुप के बीच फायरिंग हो रही है। थामनपोकपी और सानासबी में शुक्रवार देर रात को गोलबारी में एक महिला घायल हो गई। वहीं, शनिवार सुबह गोलीबारी में एक लोकल न्यूज चैनल के वीडियो जर्नलिस्ट घायल हुए। शक्रवार को भी सनसाबी इलाके में उग्रवादियों से मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी और एक गांव वाला घायल हुए था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यहां मोर्टार भी दागे गए थे। उधर, मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा- इम्फाल ईस्ट के सनसाबी और थमनापोकपी में कुकी उग्रवादियों की गोलीबारी की कड़ी निंदा करता हूं। निर्दोषों पर यह कायरतापूर्ण हमला मणिपुर की शांति और सद्भाव पर हमला है। सीएम ने कहा था- कुकी-मैतेई आपसी समझ बनाएं मणिपुर के सीएम बिरेन सिंह ने 25 दिंसबर को कहा था- मणिपुर को तत्काल शांति की जरूरत है। दोनों समुदायों (कुकी-मैतेई) आपसी समझ बनाएं। बीजेपी ही मणिपुर को बचा सकती है, क्योंकि वो %एक साथ रहने% के विचार में विश्वास करती है। उन्होंने कहा था कि आज मणिपुर में जो कुछ हो रहा है उसके कई कारण हैं। आज जो लोग राज्य को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, वे पूछ रहे हैं कि सरकार क्या कर रही है। लोग सत्ता के भूखे हैं। हम किसी खास समुदाय के खिलाफ नहीं हैं।

भाजपा का रुख स्पष्ट है। हमने पुलिस और लोगों के बीच संबंध बनाने शुरू कर दिए हैं।

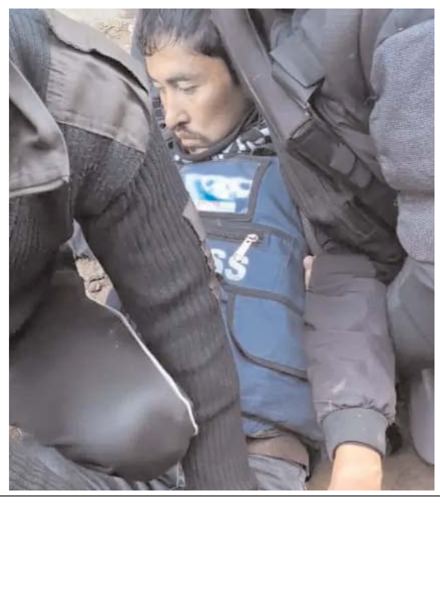

बिहार में सरकार चलाने का काम कुछ नेता और अधिकारी कर रहे-तेजस्वी

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब सामान्य रूप से काम करने में सक्षम नहीं हैं और मुट्ठी भर करीबी सहयोगियों ने उन्हें ''बंधक% बनाकर रखा है। जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) प्रमुख की भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अचानक वापसी से पहले तक कुमार के उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत रहे तेजस्वी ने संवाददाताओं के सवालों के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''नीतीश कुमार अब अपने होश में नहीं हैं। वह बिहार चलाने में असमर्थ हैं। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यादव ने दावा किया, ''कुमार खुद निर्णय नहीं ले रहे हैं। उन्हें उनकी पार्टी के चार नेताओं ने बंधक बना लिया है, जिनमें से दो दिल्ली में और शेष यहां के हैं, जो फैसले ले रहे हैं। इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक राजद के नेता ने अपनी बात की पुष्टि के लिए हाल ही में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा लिखे गए एक पत्र के जवाब का हवाला दिया। केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बाबासाहेब आंबेडकर के कथित अपमान की पृष्ठभूमि में पत्र में कुमार से भाजपा का समर्थन करने पर 'पुनर्विचार% करने का आग्रह किया था। यादव ने कहा, ''पत्र स्पष्ट रूप से बिहार के मुख्यमंत्री एवं जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नीतीश कुमार को संबोधित था, लेकिन प्रतिक्रिया संजय झा की ओर से आई। वह कौन हैं? जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य झा ने जवाबी पत्र में शाह का बचाव किया और कोविड महामारी के दौरान दिल्ली में बिहार के प्रवासियों को मुहैया कराए गए इलाज को लेकर गुस्सा निकालते हुए केजरीवाल की आलोचना की।

बर्फबारी से श्रीनगर-लेह हाईवे बंद

नई दिल्ली/श्रीनगर/ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग और तनमार्ग में बर्फबारी के कारण फंसे 68 टूरिस्ट को शुक्रवार देर रात सेना ने रेस्क्यू किया। आर्मी ने बताया कि अचानक हुई भारी बर्फबारी और सड़कों के बंद होने के कारण 30 महिलाओं और 8 बच्चों समेत 68 लोग घाटी में फंस गए थे। उन्हें रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया। उन्हें शेल्टर और दवाएं भी दी गईं। बर्फबारी के कारण श्रीनगर-लेह हाईवे और मुगल रोड बंद हो गया।

श्रीनगर-जम्मू नेशनल हाईवे पर 2,000 वाहन फंस गए। भारी बर्फबारी के कारण शनिवार सुबह श्रीनगर एयरपोर्ट पर 80त्न उड़ानें रद्द कर दी गईं। वहीं घने कोहरे के चलते दिल्ली में 14 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। शुक्रवार को

दिल्ली में 24 घंटे में 9.एमएम बारिश दर्ज की गई। यह पिछले 15 साल में दिसंबर महीने की सबसे ज्यादा बारिश रही। वहीं, राजस्थान के अजमेर में भी दिसंबर महीने में पिछले 24 घंटे के दौरान 21.एमएम से ज्यादा बारिश रिकॉर्ड हुई। यह पिछले 14 साल में दिसंबर की सबसे ज्यादा बारिश है। यूपी के मुजफ्फरपुर में तेज बारिश के कारण एक मकान गिर गया, जिससे महिला की मौत हो गई। बारिश और ठंड के कारण गाजियाबाद-मेरठ में 8वीं तक के स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। शुक्रवार को एमपी के कई जिलों में बारिश हुई। रतलाम, मंदसौर, बैतूल, आलीराजपुर समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले भी गिरे। शनिवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा।

ऋषभ पंत की इस हरकत पर भड़के सुनील गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मौजूदा समय में खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कुछ कमाल नहीं कर पाए हैं। वहीं मेलबर्न टेस्ट की पहली पारी में वह लापरवाही से खेलते हुए नजर आए। जिसके बाद महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर उन पर भड़क गए। गावस्कर ने बेवकूफाना शॉट खेलने के लिए पंत को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उसने ऐसे समय में अपना विकेट गंवाया जब टीम को उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में भारतीय टीम को उस समय साझेदारी की जरूरत थी लेकिन पंत ने स्कॉट बोलैंड को फाइन लेग पर स्कूप शॉट खेलने के प्रयास में डीप थर्डमैन में नाथन लियोन को कैच थमा दिया।

फ्लावर नहीं फायर है नितीश कुमार रेड्डी, ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं में लगाया शतक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इसका पूरा श्रेय नितीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर को जाता है। 2024-25 के ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर नितीश कुमार रेड्डी टीम इंडिया को मिला। वह तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के रूप में खेल रहे हैं लेकिन रन बनाकर भारत को मुश्किलों से उबारा है।

21 वर्षीय नितीश रेड्डी ने जब अपना अर्धशतक पूरा किया तो उन्होंने पुष्पा फिल्म के पुष्पाराज स्टाइल में जश्न मनाया। फिर इस पारी को शतक में तब्दील करके बताया कि वह फ्लावर नहीं बल्कि फायर हैं। नितीश जब क्रीज पर आए थे तब भारतीय टीम ने 200 के अंदर अपने 6 विकेट गंवा दिए। इसके बाद उन्होंने न सिर्फ भारत को फॉलोऑन से बचाया बल्कि स्कोर को 350 के पार पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया बड़ी बढ़त हासिल करने से रह गया।

नितीश कुमार रेड्डी इस बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। मेलबर्न में तीसरे दिन खराब रोशनी से खेल रुकने तक भारत ने 116 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 358 रन बना लिए।

ऑस्ट्रेलिया 116 रन से आगे है। नितीश कुमार रेड्डी 105 रन बनाकर क्रीज पर जमे हुए हैं। इस दौरान उन्होंने 4 मैच की 6 पारी में 71 के औसत से 284 रन बनाए हैं। वहीं नितीश जब क्रीज पर आए तब भारत ने 6 विकेट पर 191 रन पर गंवा दिए थे। 221 पर पर 7वां विकेट गिरा और बाद में आए वॉशिंगटन सुंदर। जिनके साथ नितीश ने 127 रन की अहम साझेदारी की। नितीश और सुंदर ने न सिर्फ फॉलोऑन बचाया बल्कि एक पूरे सत्र में ऑस्ट्रेलिया को विकेट नहीं मिलने दिया। नाथन लियोन ने सुंदर को आउट किया। सुंदर ने 162 गेंद पर 50 रन बनाए।

रन नहीं बना पाने और फॉर्म से बाहर होने में अंतर है- स्मिथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ स्टीव स्मिथ को पता था कि वह रन नहीं बना पा रहे हैं लेकिन कभी भी फॉर्म से बाहर नहीं हुए और उन्होंने 18 महीने के अंतराल के बाद एक हफ्ते के अंदर भारत के खिलाफ लगातार दो टेस्ट शतक जड़ दिए। ब्रिसबेन में अपना 33वां शतक बनाने के बाद स्मिथ ने शुक्रवार को एमसीजी में चौथे टेस्ट के दूसरे दिन सुनील गावस्कर के 34 शतकों के तत्कालीन विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की।

यह पूछे जाने पर कि जब आसानी से रन नहीं बन रहे थे तब वह इतने दिनों तक कैसे डटे रहे, तो स्मिथ ने यहां दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''कभी-कभी आप गेंद पर अच्छी तरह से शॉट लगा सकते हैं जो मुझे लगता है कि मैंने आप सभी से तब कहा था जब मैं रन नहीं बना रहा था। मुझे वास्तव में ऐसा लग रहा था कि मैं काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। और मुझे लगता है कि फॉर्म से बाहर होने और रन नहीं बना पाने में अंतर है। मुझे लगा कि मैं गेंद को अच्छी तरह से मार रहा हूं।''

स्मिथ ने कहा, ''मेरा मतलब है कि आपको भरोसा रखना होगा। आप जो करने की कोशिश कर रहे हैं, उस पर आपको थोड़ा भरोसा रखना होगा। मैं अब तक काफी समय से खेल रहा हूं और मुझे पता है कि उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। पर थोड़ा भरोसा रखिये।'' स्मिथ के पांच मैचों की श्रृंखला समाप्त होने से पहले 10,000 टेस्ट रन बनाने की उम्मीद है।

भारत ने वेस्टइंडीज को 3-0 से किया परास्त, स्टार ऑलराउंडर दीप्ति चमकीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 31 रन देकर छह विकेट चटकाए और फिर बल्ले से भी योगदान दिया जिससे भारत ने शुक्रवार को यहां तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

दीप्ति के शानदार प्रदर्शन और तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर (29 रन देकर चार विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी से भारत ने वेस्टइंडीज को 162 रन पर समेट दिया। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम शीर्ष क्रम के चरमराने के बावजूद 28.2 ओवर में जीत दर्ज करने में सफल रही। भारत ने 73 रन के स्कोर पर चार विकेट खो दिये थे लेकिन दीप्ति (48 गेंद में नाबाद 39 रन) के अनुभव के बूते टीम 21 ओवर पहले लक्ष्य तक पहुंच गई। विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष 11 गेंद में 23 रन बनाकर नाबाद रहीं।

पिछले मैच की शतकवीर हरलीन देओल (01) के आउट होने के बाद भारत का स्कोर दो विकेट पर 23 रन था लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एफी फ्लेचर की गेंद पर आउट होने से पहले 22 गेंद में 32 रन की पारी खेली। अपनी पारी के दौरान हरमनप्रीत ने सात चौके जमाये और एक बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में आउट हो गईं। फॉर्म में चल रही उप कप्तान स्मृति मंधाना (4) जल्दी आउट हो गईं जिन्हें अश्मिनी मुनिसार ने आलिया एलेने की गेंद पर एक हाथ से कैच लेकर आउट किया।

वहीं देओल भी डियांड्रा डॉटिन की ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंद पर बल्ला छुआकर विकेटकीपर शेमेन कैंपबेल को कैच देकर पवेलियन पहुंच गईं। मध्यक्रम बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने 45 गेंद में 29 रन की पारी खेली। इससे पहले भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका ने कहर बरपाते प्रारंभिक स्पैल से वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी जिसके बाद दीप्ति ने कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेहमान टीम को 162 रन पर आउट कर दिया।

रेनूका ठाकुर ने सटीक लाइन और लैंग्थ के साथ गेंदबाजी करके शीर्षक्रम की चूलें हिला दी तो दीप्ति ने फिरकी का जाल बुनकर मध्यकम और निचले क्रम को रवाना किया। वनडे में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा उन्होंने तीसरी बार किया है जबकि दूसरी बार छह विकेट चटकाये हैं। वेस्टइंडीज के लिये शिनेले हेनरी (61) और शेमाइन कैंपबेल (46) ने 97 रन की साझेदारी की। अगर यह साझेदारी नहीं होती तो वे सौ रन भी नहीं बना पाते। इनके अलावा आलिया एलेनी (21) ही दोहरे अंक तक पहुंच सकी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी का वेस्टइंडीज का फैसला गलत साबित हुआ और ठाकुर ने पहली ही गेंद पर सलामी बल्लेबाज कियान को आउट कर दिया जबकि हेली मैथ्यूज भी खाता खोले बिना उनका दूसरा शिकार हुई। इसके बाद ठाकुर ने डिएंड्रा डोटिन (पांच) का विकेट लेकर कैरेबियाई टीम को करारा झटका दिया। इसके बाद से दीप्ति ने मोर्चा संभाला। वेस्टइंडीज की पारी 39वें ओवर में समाप्त हो गई।

विराट कोहली के समर्थन में उतरे केविल पीटरसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली किसी ना किसी कारण चर्चा में बने रहते हैं। वहीं एक बार फिर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भी अपने प्रदर्शन से ज्यादा विवादों में बने हुए हैं। कोहली ने जारी सीरीज में शतक लगाया है लेकिन ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंदों पर वह लगातार विकेट गंवा रहे हैं। कोहली को लेकर ऑस्ट्रेलियाई मीडिया में काफी गलत चीजें चल रही हैं जिसे लेकर इरफान पठान और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन कोहली के सपोर्ट में उतर आए हैं।

बता दें कि, मेलबर्न में खेले जा रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन कोहली ने डेब्यू मैच खेल रहे सैम कोंस्टास को कंधे से धक्का दिया था और इस वजह से उनपर जुर्माना लगाया गया और एक डिमेरिट अंक दिया गया। शुक्रवार को पवेलियन लौटते हुए दर्शकों ने हूटिंग की।

जिससे कोहली चिढ़ गए और जवाब देने का मन बना लिया था। लेकिन फिर ड्रेसिंग रूम में चले गए।

केविन पीटरसन ने एक्स पर लिखा कि, विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में थिएटर बना रहे हैं। आगे बढ़ो। सोचिए शोमैन के बिना कितना बोरिंग होगा ये। और अपने करियर के दौरान उसने अपने रन से सब कुछ हासिल किया है। जो उसने हासिल किया है उसके एक चौथाई में ही कई लोग अपने सफल इंटरनेशनल करियर को खत्म कर लेंगे।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो -20 डिग्री सेल्सियस में शर्टलेस होकर पूल में उतरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो इन दिनों अपने परिवार संग छुट्टियां मना रहे हैं। रोनाल्डो क्रिसमस के मौके पर परिवार संग फिनलैंड पहुंचे। जहां वह अपने परिवार के साथ जमकर मस्ती कर रहे हैं। हालांकि, इस वैकेशन में एक खास चीज करने से साफ तौर पर मना किया गया है। दरअसल, रोनाल्डो अपनी पार्टनर जॉर्जिना और पांच बच्चों के साथ फिनलैंड में हैं।

उन्होंने यहीं क्रिसमस मनाया। रोनाल्डो ने अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वह शर्टलेस नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने सिर्फ छोटे शॉर्ट्स पहने हुए हैं और वह -20 डिग्री सेल्सियस और उनके सामने के पूल का तापमान-4 डिग्री सेल्सियस है। रोनाल्डो इसी ठंड में पूल में उतर गए। रोनाल्डो ने इस वैकेशन का पूरा वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर शेयर किया है। रोनाल्डो ने अपने परिवार के साथ कई और एक्टिविटी भी की। साउदी अरब के क्लब के लिए खेलने वाले रोनाल्डो अपनी मर्जी के मालिक हैं। हालांकि, इस वैकेशन पर उनके एक चीज करने पर बैन है।

ये चीज है स्कींग। रोनाल्डो फीनलैंड में स्कींग नहीं कर सकते।

यशस्वी जायसवाल के रन आउट होने पर किसकी गलती?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेलबर्न टेस्ट में दूसरे दिन भारतीय टीम औंधे मुंह गिरी है, टीम ने अपने पैरों पर खुद कुल्हाड़ी मार ली है। ऑस्ट्रेलिया के 474 रनों के जवाब में टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने एक समय 2 विकेट के नुकसान पर 153 रन बना लिए थे और टीम एक बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही थी। तभी 41वें ओवर में यशस्वी जायसवाल 86 के स्कोर पर रन आउट हो गए। विराट कोहली के साथ तालमेल में कमी के चलते जायसवाल अपने शतक से चूक गए। अब एक तरफ टीम इंडिया पर फॉलोऑन का खतरा मुंडरा रहा है। वहीं जायसवाल के रन आउट पर इरफान पठान और संजय मांजरेकर में तीखी बहस का वीडियो सामने आया है। दूसरे दिन भारत ने 5 विकेट के नुकसान पर 164 रन बना लिए हैं और टीम अब भी पहली पारी में 310 रनों से पीछे है।

दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद इरफान पठान और संजय मांजरेकर और इरफान पठान, यशस्वी जायसवाल के रन आउट पर अपने-अपने रिएक्शन दे रहे थे। जहां मांजरेकर ने कोहली की जमकर आलोचना की वहीं इरफान उनसे उल्ट कोहली के समर्थन में थे। पहले संजय मांजरेकर ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि, गेंद धीमी रफ्तार से जा रही थी, मुझे नहीं लगता कि वहां विराट कोहली रन आउट हो जाते। ये जायसवाल का कॉल था, ये रन शायद खतरे में खाली नहीं था लेकिन डेंजर एंड की तरफ कोहली नहीं बल्कि जायसवाल भाग रहे थे। ये विराट द्वारा की गई बचकाना गलती रही कि उन्होंने पीछे मुड़ कर देखा और फैसला कर लिया कि ये रन नहीं है। अगर जायसवाल का फैसला गलत होता तो वो नॉन स्ट्राइकिंग एंड पर आउट हो जाते।

संजय मांजरेकर के विचार का पलटवार करते हुए इरफान पठान ने कहा कि विराट कोहली शायद रन लेने को लेकर आश्वस्त नहीं थे क्योंकि गेंद तेजी से फील्डर के पास गई थी। साथ ही इरफान ने ये भी कहा कि नॉन-स्ट्राइकिंग एंड पर खड़े विराट कोहली का भी हक है कि वो रिस्क से बचने के लिए भागने से मना कर दें। इसके बाद संजय मांजरेकर ने कहा कि, अगर आप मुझे बात नहीं करने देना चाहते तो ठीक है।

इन दिग्गजों के नाम रहा साल का आखिरी महीना

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2024 का आखिरी महीना चल रहा है जो की अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। वहीं नए साल की तैयारियां जोरों पर हैं। ये साल क्रिकेट जगत के लिए बेहतरीन रहा। जहां कई नए रिकॉर्ड बने तो कई रिकॉर्ड टूटे भी। भारत, ऑस्ट्रेलिया या फिर जिम्बाब्वे जैसी टीमों के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इस साल अपने नाम का डंका बजाया है। इन्हीं खिलाड़ियों में कई ने बड़ी पारी खेल कर क्रिकेट जगत में सनसनी मचा दी है। उन्होंने साल 2024 का समापन एक यादगार शतकीय पारी के साथ किया है।

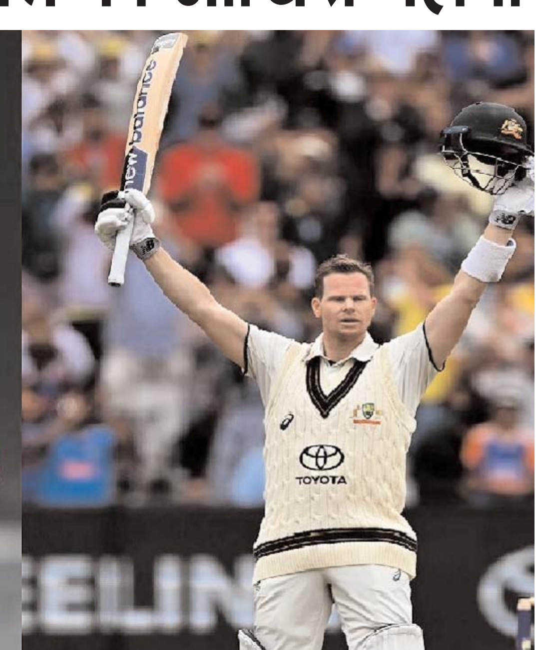

स्टीव स्मिथ

स्टीव स्मिथ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के खिलाफ बहुत शानदार लय पकड़ चके हैं। उन्होंने ब्रिसबेन टेस्ट में 101 रन की पारी खेली, वहीं मेलबर्न में खेले जा रहे उससे अगले ही मैच में उन्होंने 140 रन की पारी खेली डाली है। दरअसल, स्मिथ पिछले साल जून में इंग्लैंड के खिलाफ सेंचुरी के बाद से एक शतक का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार 25 पारी और डेढ़ साल के इंतजार के बाद उन्होंने ब्रिसबेन में भारत के खिलाफ अपने शथक का सूखा खत्म किया है।

शॉन विलियम्स

जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मैच 26 दिसंबर से शुरू हुआ था। इस मुकाबले में जिम्बाब्वे के शॉन विलियम्स ने पहले ही दिन अपने टेस्ट करियर का पांचवां शतक जड़ा। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ पहली पारी में 154 रनों की पारी खेली, जो उनके टेस्ट करियर का सर्वोच्च स्कोर है। बता दें कि, 38 वर्षीय विलियम्स अपने टेस्ट करियर में 1,263 रन बनाने के अलावा 23 विकेट भी ले चुके हैं।

क्रेग इरविन

वहीं शॉन विलियमसन के शतक के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ उन्हीं के हमवतन खिलाड़ी 39 वर्षीय क्रेग इरविन ने भी शतक जड़ दिया है। ये इरविन के करियर कुल चौथा टेस्ट शतक है और अफगानिस्तान के खिलाफ खेली इस पारी के साथ ही वो अपने टेस्ट करियर में 1,500 रन पूरे करने के बेहद करीब आ पहुंचे हैं।

इरविन इसके अलावा वनडे क्रिकेट में भी चार सेंचुरी लगा चुके हैं।

बेमौसम बरसात ने बढ़ाई मुश्किलें

जिम्मेदारों की बेपरवाही से खरीदी केंद्रों में रखी हजारों क्विंटल धान हुई बर्बाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले मे शनिवार को सर्द मौसम को बढ़ाने बेमौसम बरसात हो गई जिसके कारण जिले के अधिकांश खरीदी केंद्रों में रखी धान भीगने से बर्बाद हो गई, मगर समस्त खरीदी केंद्रों को देखने की बजाय अधिकारी गण मौन बनकर बैठे हुए हैं,.. वहीं अधिकारियों का गैर जिम्मेदाराना रवैया ऐसा है कि वह खुद यह कहते दिखाई पड़ते हैं की जब खरीदी केवल खुले में ही चल रही है तो इसके लिए क्या किया जा सकता है। इसका मतलब साफ है कि किसानों को सेड की कोई आवश्यकता ही नहीं है। जिसके चलते खरीदी केंद्रों में रखी धान के उठाव को लेकर भी किसानों ने आवाज बुलंद की थी परंतु इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

दरअसल मध्यप्रदेश में नवीन सरकार बनने के साथ ही किसानों को लेकर सरकार के द्वारा लिए गए कड़े निर्णयो का असर अब इस कदर दिखाई देने लगा है कि मानो जैसे (दीपक तले अंधेरा) सरकार की योजनाओं का लाभ तो अब तक किसानों को नहीं मिल पाया है बल्कि किसानों के लिए जो योजनाएं थी उस पर भी अधिकारी गण पानी फेरते नजर आ रहे है तथा अब किसानों को केवल भगवान के द्वारा दिए गए पानी बस का फायदा ही मिल पा रहा है वो भी इस प्रकार कि भगवान ने जो बरसात कराई उससे किसान के अनाज का सत्यानाश ही हो गया है।

जानकारी के मुताबिक रीवा जिले के तमाम खरीदी केंद्रों से यही हालात निकलकर सामने आ रहे हैं जिसमें किसानों के मेहनत का खामियाजा उनके अनाज के सत्यानाश हो जाने से भुगतना पड़ रहा है। तथा रीवा जिले में लगभग सभी खरीदी केंद्र ऐसे ही दिखाई पड़ते हैं जहां सैड की कोई व्यवस्था ही नहीं है और किसानों का धरा अनाज बरसात में फंसकर नष्ट हो रहा है। आपको बता दें सर्द मौसम को बढ़ाने के लिए शनिवार सुबह से ही रीवा जिले में बेमौसम बरसात हो गई जिसके कारण जिले के अधिकांश खरीदी केंद्रों में खुले में रखी धान बारिश में भीगने के चलते बर्बाद हो गई। बावजूद इसके किसी भी अधिकारी ने खरीदी केंद्रों में पहुंचकर मौके का जायजा लेने की जद्दोजहद नहीं की और खरीदी केंद्रों में रखी तकरीबन हजारों क्विंटल धान बारिश के कारण खराब हो गई।

इस बारिश ने किसानों की मुश्किलों को इस कदर बढ़ाया है कि विगत लंबे समय से चल रही धान की खरीदी में किसानों को काफी परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है तथा 3 से 4 दिनों तक खरीदी केंद्रों में पहुंचने के बावजूद उनकी धान नहीं बिक रही जिसकी वजह से ट्रैक्टर से लोड किसानों की धान भी बारिश के कारण खराब हो गई है।

बताया जा रहा है कि रीवा जिले के गुढ़, बदवार, गोविंदगढ़, बैकुंठपुर, सेमरिया, सिरमौर, त्योंथर, जवा सहित तमाम तहसीलों में खुले आसमान के नीचे खरीदी हो रही है जिसकी वजह से बारिश में धान रखने की सही व्यवस्था नहीं हो पा रही है और यही वजह है कि तेज बारिश ने किसानों के साथ ही प्रशासन के द्वारा खरीदी गई धान को भी खराब कर दिया।

किसानों का कहना है कि केन्द्रों पर अव्यवस्था के चलते खुले आसमान में रखे अनाज के बोरे पॉलीथिन और तिरपाल से ढके तक नहीं जा सके और मौसम खराब होने के बावजूद जिम्मेदार लापरवाह बने रहे शनिवार को हुई बारिश से हजारों क्विंटल धान केन्द्रों पर बर्बाद हो गई

विभागीय अधिकारी बताते हैं कि जिले में अब तक करीब 3 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा धान की खरीदी हो चुकी है। ज्यादातर केन्द्रों पर बोरों की थपकी नहीं लगी हुई है जिससे बारिश के चलते केन्द्रों पर रखी धान भीग गई। हैरानी की बात तो यह है कि खुद विभाग धान की सुरक्षा के लिए गंभीर नजर नहीं आ रहा है। यही कारण है कि लगातार खराब हो रहे मौसम के बाद भी धान को सुरक्षित रखने का प्रयास नहीं किया गया और शासन द्वारा खरीदी गई धान पूरी तरह बर्बाद हो गई।

मऊगंज में पिता की मारपीट से हुई थी बेटे की मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज ज़िले में युवक की मौत पर हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने इस रहस्य का खुलासा कर दिया है। युवक की हत्या पिता ने ही की थी। वो पुत्र की गाड़ी खरीदने की ज़िद से परेशान था, मारपीट में पुत्र की मौत हो गई थी।दरअसल मऊगंज के वार्ड क्रमांक 10 निवासी रोहित गुप्ता पिता बाबूलाल का शव 7 अप्रैल को घर के अंदर लटकता मिला था जिसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या के साक्ष्य सामने आए थे। प्रथम संदेही के रूप में पिता को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की गई तो इस हत्याकांड का रहस्य सामने आया। आरोपी पिता ने बताया कि उन्होंने अपनी ज़मीन बेची थी जिससे पुत्र गाड़ी खरीदने की ज़िद पर अड़ा हुआ था इस बात को लेकर पिता पुत्र के बीच विवाद हुआ था पिता ने पुत्र के साथ मारपीट कर दी। जिसमें उसकी मौत हो गई, घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिए पिता ने शव को कमरे में लटका दिया था। बताया गया है कि 7 माह पूर्व हुई इस हत्या के मामले में मेडिकल रिपोर्ट में शरीर में चोट का उल्लेख किया गया था। इसके बावजूद ए .एस .आई द्वारा जांच रिपोर्ट को दरकिनार कर मामले को आत्महत्या में तब्दील कर दिया गया और जांच डायरी को खात्मे के लिए डी.एस.पी अंकित शुक्ला के समक्ष पेश किया गया जहां डी.एस.पी ने मेडिकल रिपोर्ट पढ़ने के बाद इस सनसनीखेज़ हत्या का खुलासा कर दिया। वहीं इस पूरे मामले में लापरवाही बरतने वाले ए.एस.आई. से जवाब तलब किया गया है।

शहर से लेकर गांव तक खुलेआम शराब की अवैध बिक्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में पुलिस और आबकारी विभाग दोनों ही शराब की अवैध बिक्री पर रोक नहीं लगा पा रहे हैं। जिसके चलते शहर से लेकर गांव तक खुलेआम शराब की अवैध बिक्री जारी है। ताज़ा मामला शहर के बिछिया थाने का प्रकाश में आया है। हैरानी की बात ये है कि यहां शराब ,चोरी छुपे नहीं बल्कि खुलेआम दुकान में बैठकर बेची जा रही है। दरअसल शहर के कुठुलिया में खुलेआम हो रही शराब की बिक्री का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें पानी, कोल्ड्रिंक और डिस्पोज़ल बेचने वाली दुकान में खुलेआम शराब की बिक्री की जा रही है। इस वीडियो में दावा किया जा रहा है कि शराब बेचने वाला कोई और नहीं बल्कि स्थानीय राहुल सोंधिया नामक युवक है जो कई सालों से इलाके में शराब का अवैध कारोबार संचालित कर रहा है।

युवती से दुष्कर्म करने वाला सतना का युवक जबलपुर से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा की रहने वाली एक युवती को शादी का झांसा देकर ग़लत काम करने वाले आरोपी को सतना की सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी पिछले दो साल से युवती का शोषण कर रहा था। सतना शहर के बैंक कॉलोनी निवासी अभिषेक कुशवाहा पर रीवा की एक युवती ने शादी का झांसा देकर ग़लत काम करने का आरोप लगाया था। पीड़िता द्वारा शादी करने का दबाव बनाया गया तो आरोपी शादी करने से मुकर गया। ऐसे में युवती ने रीवा ज़िले के सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसके बाद रीवा सिटी कोतवाली में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया और फिर घटना स्थल सतना सिटी कोतवाली क्षेत्र का होने से डायरी अग्रिम विवेचना कारवाई के लिए सिटी कोतवाली सतना को भेजी गई थी। जहां पुलिस ने विवेचना कर आरोपी अभिषेक कुशवाहा को जबलपुर से गिरफ्तार किया है। जिसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

विद्युत बिल की वसूली करने गई टीम को लाठी लेकर दौड़ाया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में बकाया विद्युत बिल की वसूली करने गई टीम पर [21] हमला करने के इरादे से लाठी डंडा लेकर उन्हें दौड़ाने की घटना सामने आई है। वारदात उस वक्त हुई जब विद्युतकर्मी उपभोक्ता के घर पर बकाया बिजली बिल की वसूली करने पहुंचे थे। तभी भड़के उपभोक्ता ने ना सिर्फ उनके साथ अभद्रता की बल्कि उन्हें डंडा लेकर दौड़ा लिया। विद्युत कर्मियों ने भागकर अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि रीवा शहर संभाग के विद्युत कार्यालय में पदस्थ आउटसोर्स कर्मचारी शिवम तिवारी सहित लाइनमैन व अन्य विद्युतकर्मी बकाया बिल की वसूली करने गए हुए थे। घटना शहर के बिछिया थाना क्षेत्र कुठुलिया में शुक्रवार की शाम हुई। जिसकी शिकायत विद्युत कर्मियों की ओर से बिछिया थाने में दर्ज कराई गई।

शिल्पी प्लाजा बाजार में नहीं है पार्किंग का ठिकाना

शिल्पी प्लाजा बाजार में नो पार्किंग के नाम पर अवैध वसूली में मस्त यातायात अमला

नगर निगम की लापरवाही से सड़कों पर खड़े हो रहे वाहन, अब तक नहीं बनाई गई पार्किंग सुविधा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के सबसे व्यस्त मार्केट शिल्पी प्लाजा में नगर निगम के द्वारा वाहन पार्किंग की कोई व्यवस्था नहीं बनाई गई है जिसकी वजह से सड़कों पर और दुकानों के बाहर फोर व्हीलर वाहन पार्क कर दिए जाते हैं जिससे आवागवन बाधित होता है और बाजार करने आए लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है मगर इस पर यातायात व्यवस्था को बनाने की बजाय शहर की यातायात पुलिस अपना ईगो सेटिस्फाई करने में व्यस्त रहती है जिसके चलते यातायात के अधिकारी पार्किंग रहित बाजार की नो पार्किंग की अवैध वसूली करने में मस्त हो जाते हैं।

दरअसल 24 साल पहले सन 2000 में जब शिल्पी प्लाजा बाजार का निर्माण किया गया तब वरिष्ठ अधिकारियों ने कम भीड़ के चलते बाजार करने वालों के लिए पार्किंग की सुविधा नहीं बनाई जिसके कारण आज तक शिल्पी प्लाजा बाजार में पार्किंग की व्यवस्था नहीं बनाई गई और अब जब शहर की जनसंख्या बढ़ी तो बाजार में भीड़ भी बढ़ने लगी परंतु प्रशासन पार्किंग व्यवस्था बनाने में अब तक नाकामयाब रहा जिसकी वजह से अब जो लोग अपने 4 पहिया वाहन से बाजार करने आते उन्हें वाहन की पार्किंग समस्या से गुजरना पड़ता है ऐसे में वह कही पर भी अपनी गाड़ियों को पार्क कर देते हैं परंतु इस पर यातायात की व्यवस्था को सुचारू ढंग से संचालित करने वाली यातायात पुलिस लोगों को समझाइश देते हुए इलाकों को खाली कराने की बजाय जहां कहीं भी खड़ी वाहनों को नो पार्किंग पर वाहन खड़े होने का हवाला देकर अपनी जेब भरने की फिराक में रहती है। बताया जा रहा है कि शिल्पी प्लाजा बाजार में इन दिनों कुछ दुकान संचालकों के द्वारा अपनी दुकान के बाहर भी दुकानों का फैलाव किया गया है वहीं ठेला व्यापारी भी कहीं पर भी अपनी दुकान लगा रहे हैं जिसके चलते 4 पहिया और 2 पहिया वाहनों को वाहन खड़ी करने का कोई ठिकाना नहीं दिखता क्योंकि नगर निगम की टीम ने वाहन पार्किंग की व्यवस्था भी सड़क पर ही बनाई है ऐसे में सड़कों पर वाहन खड़े होने के चलते लोग परेशान हो रहे और यातायात की पुलिस उन्हीं वाहनों से अपनी मलाई सेट कर रही है।

बिना पार्किंग कैसी नो पार्किंग: आपको बता दें यातायात पुलिस की टीम लंबे समय से शिल्पी प्लाजा बाजार से लेकर प्रकाश चौराहा और न्यायालय भवन के समीप खड़े वाहनों पर नो पार्किंग की कार्यवाही कर रही है हालाकि पुलिस की नो पार्किंग कार्यवाही में बिना पर्ची के ही लोगों से पैसों की वसूली कर ली जाती है फिर उनके वाहनों को दोबारा उसी स्थान में खड़े होने की आजादी दे दी जाती है। जबकि इन इलाकों में वाहन पार्किंग की कोई खास व्यवस्था नगर निगम ने नहीं किया है फिर भी यह खड़े वाहन नो पार्किंग जोन में खड़े वाहन कहला जाते हैं।

जिला चिकित्सालय में अत्याधुनिक मशीनों से होगा नेत्र रोग का उपचार

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जिला चिकित्सालय का किया भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि जिला चिकित्सालय में सर्वसुविधायुक्त ऑपरेशन थियेटर में अब अत्याधुनिक मशीनों से नेत्र रोगियों का उपचार होगा तथा जटिल नेत्र सर्जरी भी की जायेगी। इस सुविधा के हो जाने से अब नेत्र रोगियों को अत्यत्र नहीं जाना पड़ेगा। शुक्ल ने कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय का भ्रमण किया तथा ऑपरेशन थियेटर की सुविधाओं का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि जिला चिकित्सालय में नेत्र विभाग के ऑपरेशन थियेटर को 76 लाख रूपये की लागत से सर्वसुविधायुक्त बनाकर अत्याधुनिक मशीनें लगाई गई हैं। उप मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय परिसर में निर्माणाधीन ओपीडी तथा चिकित्सालय विस्तार भवन का निरीक्षण कर कार्य को शीघ्र पूर्ण करने को निर्देश निर्माण एजेंसी को दिये।

इस दौरान अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला, सिविल सर्जन डॉ. एमएल गुप्ता, नेत्र चिकित्सक डॉ. नेहा तिवारी सहित चिकित्सक व अन्य जन उपस्थित रहे।

जनकल्याण शिविर में आमजनता के आवेदनों में हो रही कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत 15 दिसम्बर से 26 जनवरी तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए आवेदन पत्र भरवाए जा रहे हैं। साथ ही आमजनता के आवेदनों का मौके पर निराकरण किया जा रहा है। जिले के सभी विकासखण्डों में शिविरों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सपना त्रिपाठी ने बताया कि शिविरों में जनप्रतिनिधियों के साथ ही अधिकारियों की उपस्थिति में आमजनता के आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। ग्राम पंचायत कचूर में 42 तथा ग्राम पंचायत गढ़वा में 32 आवेदन पत्र दर्ज किए गए।

मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत ग्राम पंचायत मझिगवां, नदनाडिहिया, ग्राम पंचायत मड़वा, ग्राम पंचायत चौर, ग्राम पंचायत सूरा, ग्राम पंचायत तिवनी तथा ग्राम पंचायत बंजारी आदि में शिविर आयोजित कर किसान सम्मान निधि, खाद्यान्न पर्ची, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा आयुष्मान भारत योजना के आवेदन पत्र दर्ज किए गए जिनका संबंधित विभागों द्वारा निराकरण किया जा रहा है।

आज जवा में लगेगा रोजगार मेला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शिक्षित युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार का अवसर देने के लिए जिले के सभी विकासखण्डों में रोजगार मेले लगाए जा रहे हैं। रोजगार मेले विकासखण्ड मुख्यालय में जनपद कार्यालय में प्रातः 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित होंगे। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सपना त्रिपाठी ने बताया 29 दिसम्बर को जवा में रोजगार मेला आयोजित किया गया है। इन मेलों में मशीन आपरेटर, स्पिनिंग, गारमेंट स्टिचिंग, हाउस कीपिंग, सुरक्षाकर्मी, सुपरवाइजर जैसे कार्यों के लिए विभिन्न कंपनियों द्वारा योग्य युवाओं का चयन किया जाएगा। आवश्यक होने पर संबंधित कंपनी प्रशिक्षण की भी सुविधा देगी। रोजगार के इच्छुक शिक्षित युवा अपनी जनपद पंचायत कार्यालय में जाकर रोजगार मेले के लिए पंजीयन करा सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में विकास कार्यों की समीक्षा की

गौवंश वन्य विहार के शेष कार्यों को दस दिन में पूर्ण करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में कार्ययोजना अनुसार फ्रंट एरिया डेवलपमेंट का कार्य करायें। पूर्व से निर्मित गौ शेड, भूसा शेड सहित अन्य सभी भवनों का रंग रोगन व मेंटीनेंस कराते हुए शेष निर्माणाधीन कार्यों को आगामी दस दिवस में अनिवार्यतः पूर्ण करायें। शुक्ल ने बसामन मामा गौवंश वन्य विहार में रात्रि विश्राम के उपरांत प्रातः जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में गौवंश वन्य विहार के विकास कार्यों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रशासनिक भवन, मंदिर निर्माण, रेस्ट हाउस में किचेन शेड, गार्डरूम तथा गेस्ट हाउस के सामने लान, मंच निर्माण तथा शेष सड़क निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की तथा निर्देश दिये कि सभी कार्य नियत समय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराये जांय। उन्होंने कहा कि गौवंश वन्य विहार में जहां आवश्यक हो वहां पेवर ब्लाक लगाये तथा अतिरिक्त शेड निर्माण का कार्य भी समय सीमा में पूरा कराया जाय। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार की प्रदेश में अपनी पहचान है। प्रयागराज में आयोजित हो रहे महाकुंभ के दौरान देश के महान मनीषी स्वामी अवधेशानंद गिरिजी, स्वामी रामदेव तथा पूज्य मोरारी बापू भी हेलीकाप्टर से बसामन मामा गौवंश वन्य विहार आयेंगे तथा संपूर्ण वन्य विहार का भ्रमण करेंगे अतः नियत समय में सभी कार्य पूरे हो जांय और गौवंश वन्य विहार आकर्षक व अप्रतिम दिखे। समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री ने गौवंश वन्य विहार में गौवंश के गोबर व मूत्र से निर्मित सामग्री को विक्रय किये जाने के लिये संबंधित संस्थानों से अनुबंध किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार आर्थिक संसाधन हासिल कर आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है अतः उत्पाद सामग्री का क्रय कराया जाना सुनिश्चित करायें। उन्होंने गौवंश वन्य विहार के लिये आवंटित चरनोई भूमि में चारा उत्पादन करने व विक्रय करने का दायित्व एफपीओ के माध्यम से कराने की बात कही ताकि इससे भी आमदनी हो सके। शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार में सोलर पैनल लगाकर ऊर्जीकृत करने तथा मृत पशुओं के लिये निष्पादन इकाई लगाये जाने के लिये निर्देशित किया।

इस अवसर पर हिनौती गौधाम में चल रहे निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री ने सभी कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, अध्यक्ष जनपद गंगेव विकास तिवारी, एसडीएम राजेश सिन्हा, उप संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।